संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 254
पृष्ठ 8
सोमवार
03 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पार्लर जैसे सॉफ्ट बाल मिलेंगे...

विचार- तेलुगुभाषी दो राज्यों में कड़ी है चुनावी टक्कर

खेल- टी२० विश्व कप के एक ओवर में ...

चुनाव के बाद एक्शन में दिखे पीएम मोदी

देश में भीषण गर्मी व मानसून की स्थिति पर की समीक्षा बैठक

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में भीषण गर्मी की स्थिति के साथ साथ मानसून से संबंधित स्थिति से निपटने की तैयारियों की रविवार सुबह यहां अपने आवास पर एक बैठक में समीक्षा की। प्रधानमंत्री को बताया गया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी और लू जारी रहने की संभावना है। मानसून के बारे में बताया गया कि इस वर्ष देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के सामान्य और सामान्य से ऊपर रहने तथा प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम रहने की संभावना है। श्री मोदी ने निर्देश दिया है कि गर्मी के मौसम में आग की घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए उचित अभ्यास नियमित आधार पर किया जाना चाहिए। अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अग्निशमन सुविधाओं की जांच और विद्युत सुरक्षा की जांच नियमित रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जंगलों में 'फायर–लाइन' के रखरखाव और बायोमास के सदुपयोग के लिए नियमित अभ्यास की योजना बनाई जानी चाहिए। प्रधानमंत्री को जंगल की आग की समय पर पहचान और उसके प्रबंधन में मददगार 'वन अग्नि' पोर्टल की उपयोगिता के बारे में भी बताया गया। बैठक में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, कैबिनेट सचिव, गृह सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव, एनडीआरएफ के महानिदेशक और एनडीएमए के सदस्य सचिव के साथ–साथ प्रधानमंत्री कार्यालय तथा संबंधित मंत्रालयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

अरुणाचल में विकास की राजनीति को मिला स्पष्ट जनादेश : पीएम मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत को विकास की राजनीति को मिला स्पष्ट जनादेश करार दिया और कहा कि राज्य के विकास के लिए उनकी पार्टी और भी अधिक उत्साह के साथ काम करती रहेगी। अरुणाचल प्रदेश में भाजपा ने सत्ता में वापसी की है। पार्टी ने 60–सदस्यीय विधानसभा में 46 सीट जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''धन्यवाद अरुणाचल प्रदेश! इस अद्भुत राज्य के लोगों ने विकास की राजनीति को स्पष्ट जनादेश दिया है। राज्य में भाजपा के प्रति फिर से अपना विश्वास जताने के लिए उनका आभार। हमारी पार्टी राज्य के विकास के लिए और भी अधिक उत्साह के साथ काम करती रहेगी। प्रधानमंत्री ने चुनाव में असाधारण मेहनत के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, ''यह सराहनीय है कि वे राज्य भर में कैसे लोगों के बीच गए और उनसे जुड़े।'' प्रधानमंत्री ने सिक्किम विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग को बधाई दी। सिक्किम विधानसभा चुनाव में एसकेएम ने 32 में से 31 सीट जीतकर लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की है। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) को महज एक ही सीट मिल सकी। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आने वाले समय में सिक्किम की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के साथ काम करने की आशा करता हूं।

यह एग्जिट पोल नहीं है, यह मोदी मीडिया पोल है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर अधिकांश एग्जिट पोलों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी की गई है। हालांकि, कांग्रेस इसको लगातार खारिज कर रही है। इन सब के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह एग्जिट पोल नहीं है, यह मोदी मीडिया पोल है। यह उनका फैंटेसी पोल है। जब उनसे इंडिया गठबंधन की सीटों की संख्या के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''क्या आपने सिद्धू मूस वाला का गाना 295 सुना है? 295।'' कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने अपने पीसीसी अध्यक्षों, मुख्यमंत्रियों, प्रभारियों और उम्मीदवारों से चर्चा की है, वे सभी बहुत आश्वस्त हैं। यह एग्जिट पोल सरकार के लिए एक फर्जी पोल है। इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिलेंगी और निश्चित रूप से सरकार बनेगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा निवर्तमान प्रधानमंत्री, जिस व्यक्ति को 4 जून को निश्चित रूप से जाना होगा, उसने इन सभी चीजों की साजिश रची है और एग्जिट पोल को प्रबंधित किया है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल और 4 जून के नतीजों में बहुत बड़ा अंतर होगा। इंडिया गठबंधन की कल एक बैठक हुई थी, हमने संख्याओं पर विस्तार से चर्चा की, यह असंभव है कि इंडिया गठबंधन को 295 से नीचे कुछ भी मिलेगा। लगभग सभी एग्जिट पोल में एनडीए को भारी जनादेश मिलने की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करेगी। इंडिया टुडे–एक्सिस माई इंडिया ने एनडीए के लिए 361–401 सीटों का अनुमान लगाया है, जिसमें बीजेपी ने बंगाल, तेलंगाना और ओडिशा में जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि ये एग्जिट पोल सिर्फ माहौल बनाने के लिए हैं कि इंडिया गठबंधन हार गया है, यह एक मनोवैज्ञानिक खेल है। हम इसका विरोध करेंगे... हम जानते हैं कि हम 4 जून को निवर्तमान प्रधानमंत्री को अलविदा कहेंगे।

असम: बाढ़ से 10 जिलों में छह लाख से अधिक लोग प्रभावित

असम, एजेंसी। असम में बाढ़ की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है और 10 जिलों में छह लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे कई क्षेत्रों में प्रभावित हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। कोपिली, बराक और कुशियारा नदियां खतरे के निशान से

ऊपर बह रही हैं। बाढ़ के कारण हैलाकांडी होजाई, मोरीगांव, करीमगंज, नागांव, कछार, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग पश्चिम और दीमा हसाओ जिलों में कुल 6,01,642 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 28 मई से अब तक बाढ़ और तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। नागांव सबसे अधिक प्रभावित जिला है जहां 2.79 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए जबकि होजाई में 1,26,813 और कछार में 1,12,265 लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य में 40,000 से अधिक लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों द्वारा बचाव और राहत अभियान चलाया जा रहा है।

योगी ने किया गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन–पूजन

रिमझिम बारिश के बीच की गोसेवा,बच्चों को दिया आशीर्वाद

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमेशा की तरह आज यानी रविवार सुबह गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन–पूजन किया। इसके बाद उन्होंने गोसेवा की और बच्चों को प्यार और दुलार किया। यहां पर आज सुबह से ही रिमझिम बारिश हो रही है। आज गोवंश तथा बच्चों के बीच सीएम योगी की आत्मीयता का वातावरण और आनंदित करने वाला रहा। बता दें कि कल यानी 1 जून को लोकसभा चुनाव के आखिरी और सातवें चरण के लिए मतदान समाप्त हो चुके है। इसके बाद यहां कई राजनेता चुनावी गणित समझने में उलझे रहे, वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह गोरखपुर मंदिर पहुंचे और उन्होंने शिव आवतार गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन–पूजन कर उन्होंने लोकमंगल की कामना की। फिर अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर जाकर मत्था टेका और उनका आशीर्वाद लिया। गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन–पूजन करने के बाद सीएम योगी मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की। सीएम ने उनका हाल चाल जाना। वहीं, भ्रमण करते हुए परिसर में उनकी नजर श्रद्धालुओं के साथ आए उनके बच्चों पर पड़ गई। मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को अपने पास बुला लिया, सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार–दुलार और आशीर्वाद देने लगे। उन्होंने बच्चों से उनका नाम, उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा, खूब हंसी ठिठोली की और सभी को चॉकलेट देकर विदा किया। बारिश की फुहारों के बीच सीएम का सानिध्य पाकर ये बच्चे काफी प्रफुल्लित नजर आ रहे थे। इसके साथ ही सीएम योगी ने गोसेवा की। उन्होंने गोवंश की चंचलता देख उनके माथे पर हाथ फेरा और प्यार किया।

जम्मू–कश्मीर के कटरा में तंबाकू सेवन पर लगा प्रतिबंध

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू प्रशासन ने कटरा में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री, उन्हें रखने तथा उनके सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कटरा में माता वैष्णो देवी का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। रियासी के जिलाधिकारी विशेष महाजन ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य उस धार्मिक स्थान की पवित्रता बनाए रखना है जहां हर साल लाखों तीर्थयात्री आते हैं। प्रशासन ने कटरा और आसपास के इलाकों में मांस और शराब की बिक्री करने, उन्हें रखने और उनका सेवन करने पर पहले ही प्रतिबंध लगा रखा है। महाजन ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, धारा 144 के तहत हमने नुमाई और पंथाल चेक पोस्ट लेकर तारा कोर्ट से होते हुए भवन तक के क्षेत्र में सिगरेट, गुटखा और अन्य प्रकार के तंबाकू के भंडारण, बिक्री और उनका सेवन करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा, यह प्रतिबंध शराब और मांस की बिक्री तथा खपत पर मौजूदा प्रतिबंध का विस्तार है।

जयराम रमेश का दावा, अमित शाह ने 150 डीएम को किया कॉल

ईसी ने कांग्रेस नेता से मांग की ली विस्तृत रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय चुनाव आयोग (ईसी) ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश से उनके आरोपों के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वोटों की गिनती से कुछ दिन पहले 150 जिला मजिस्ट्रेटों को फोन किया था। चुनाव के दौरान जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर अपने संबंधित जिलों के रिटर्निंग अधिकारी होते हैं। आयोग ने कहा कि, आज तक, किसी भी जिला मजिस्ट्रेट ने किसी भी अनुचित प्रभाव का अनुभव करने की सूचना नहीं दी है। हालाँकि, एक वरिष्ठ नेता द्वारा लगाए गए आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, चुनाव निकाय ने ष्बड़े सार्वजनिक हितष में मुद्दे को संबोधित करने के लिए विशिष्ट विवरण प्राप्त करने पर जोर दिया। पत्र में लिखा गया है कि वोटों की गिनती की प्रक्रिया प्रत्येक आरओ (रिटर्निंग ऑफिसर) पर एक पवित्र कर्तव्य है और एक वरिष्ठ, जिम्मेदार और अनुभवी नेता द्वारा इस तरह के सार्वजनिक बयान संदेह का तत्व पैदा करते हैं और इस प्रकार, व्यापक सार्वजनिक हित में इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि हालाँकि किसी भी डीएम ने किसी भी अनुचित प्रभाव की सूचना नहीं दी है, चुनाव आयोग ने जयराम रमेश से 150 डीएम के विवरण और जानकारी मांगी थी, जिन्हें अमित शाह ने प्रभावित किया है, जैसा कि रमेश ने आरोप लगाया था और जिसे वह सच मानते हैं, और इस प्रकार ये आरोप लगाए थे। शनिवार को, संचार के प्रभारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि अमित शाह जिला मजिस्ट्रेटों और कलेक्टरों को फोन कर रहे हैं और ष्घोर और निर्लज्जष धमकी दे रहे हैं।

अरूणाचल में भाजपा का कब्जा बरकरार, जादुई आंकड़े को किया पार

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखी है। राज्य में लोकसभा चुनाव के साथ 19 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। चुनाव आयोग (ईसी) के पास उपलब्ध नवीनतम अपडेट के अनुसार भगवा पार्टी पहले ही 40 सीटें जीत चुकी है, जिसमें 10 निर्विरोध शामिल हैं और पांच अन्य पर आगे है। चुनाव जीतने वाले प्रमुख लोगों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बियुराम वाहगे (पक्के–केसांग), चांगलांग उत्तर से उपाध्यक्ष टेसम पोंगटे, स्वास्थ्य मंत्री अलो लिबांग (टुटिंग–यिंगकियोंग), मौजूदा मंत्री वांगकी लोवांग (नामसांग), होनचुन नगंडम (पोंगचौ–वाक्का), नाकाप नालो (नाचो), निनॉन्ग एरिंग (पासीघाट पश्चिम), वांगलिन लोवांगडोंग (बोरदुरिया–बोगापानी), गेब्रियल डेनवांग वांगसु (कनुबारी), रोडे बुई (डंपोरिजो), बालो राजा (पॉलिन), चकत अबोह (खोंसा पश्चिम), त्सेरिंग ल्हामू (लुमला), डॉ. मोहेश चाय (तेजू), पानी ताराम (कोलोरियांग), कार्डो न्यिग्योर (लिकाबाली) और च्यांग्ताजो निर्वाचन क्षेत्र से हेयेंग मंगफी है। कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने भी तीन सीटें जीतकर अपना खाता खोला और दो अन्य सीटों पर आगे चल रही है। जीतने वाले उम्मीदवारों में पेसी जिलेन शामिल हैं जिन्होंने भाजपा के न्यामार कारबाक को 1,698 वोटों के अंतर से हराकर लिरोमोबा सीट हासिल की, नामगेई त्सेरिंग ने भाजपा के त्सेरिंग दोरजी को 996 वोटों के अंतर से हराकर तवांग सीट हासिल की और ओनी पनयांग ने भाजपा के ओलोम पनयांग को 673 वोट हराकर मारियांग–गेकू पर कब्जा किया। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) के उम्मीदवार नबाम विवेक ने भाजपा के ताना हाली तारा को 2,530 वोटों के अंतर से हराकर दोइमुख सीट हासिल की और ओकेन तायेंग ने भाजपा के लोम्बो तायेंग को 1,017 वोटों से हराकर मेबो सीट हासिल की।

आत्मसमर्पण से पहले बोले केजरीवाल

'अगर भगत सिंह को फांसी हुई तो मैं भी फांसी पर चढ़ने को तैयार, तानाशाही से लड़ रहा'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल शराब उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करने से पहले अपने परिवार और मंत्रियों के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मुझे चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की जमानत दी है। मैं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं। आज मैं फिर तिहाड़ जेल जा रहा हूं। मैंने इन 21 दिनों में से मैंने सिर्फ आप के लिए ही नहीं प्रचार किया। केजरीवाल ने झारखंड गया...आप महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण है। मैं दिल्ली की मैं दोबारा जेल जा रहा हूं, घोटाला किया है, बल्कि इसलिए आवाज उठाई है। पीएम मोदी कि मेरे खिलाफ उनके पास ही उन्होंने कहा कि 2024 कल सामने आ गए हैं। लिखकर

एक मिनट भी बर्बाद नहीं किया।' बल्कि विभिन्न पार्टियों के लिए कहा कि मैं मुंबई, हरियाणा, यूपी, नहीं है, हमारे लिए देश जनता से कहना चाहता हूं कि इसलिए नहीं कि मैंने कोई कि मैंने तानाशाही के खिलाफ ने देश के सामने ये बात मानी कोई सबूत नहीं है। इसके साथ लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल ले लीजिए, ये सभी एग्जिट पोल फर्जी हैं।श एक एग्जिट पोल ने राजस्थान में बीजेपी को 33 सीटें दी थीं जबकि वहां केवल 25 सीटें हैं...असली मुद्दा यह है कि उन्हें मतगणना के दिन से 3 दिन पहले फर्जी एग्जिट पोल क्यों करना पड़ा। इसे लेकर कई सिद्धांत हैं, उनमें से एक यह है कि वे मशीनों (ईवीएम) में हेरफेर करने की कोशिश कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मामले में 4 जून को सुनवाई

फैसला सुरक्षित करने के बाद हाईकोर्ट ने महमूद प्राचा की अर्जी पर सुनवाई का एक मौका दिया

प्रयागराज। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में यूं तो इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया था। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। लेकिन अब इस अहम मामले में 4 जून 2024 को दो बजे से फिर सुनवाई होगी। शाही ईदगाह मस्जिद का कब्जा अवैध मानते हुए हटाने की मांग में दाखिल सिविल वादों की पोषणीयता पर मस्जिद पक्ष की आपत्ति पर दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने 31 मई को खुली अदालत में आदेश सुरक्षित कर लिया था। इसके बाद मस्जिद प्रबंध समिति के अधिवक्ता महमूद प्राचा ने अर्जी देकर उन्हें सुनवाई का पूरा मौका देने की मांग की है। इनकी प्रार्थना है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बहस करने के उनके अधिकार में किसी प्रकार व्यवधान न हो सुनिश्चित किया जाए और विपक्षी को सुने जाने के अधिकार का वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए संरक्षित किया जाए।

अदालत ने क्या कहा जानिये

हालांकि कोर्ट ने कहा कि तसनीम अहमदी, महमूद प्राचा, हरिशंकर जैन आदि ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बहस की। मस्जिद की प्रबंध समिति की तरफ से

अहमदी व सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड की तरफ से अन्य अधिवक्ता ने बहस पूरी की। प्राचा ने भी बहस की। फिर भी न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिए न्याय होते दिखाई भी दे के सिद्धांत के आधार पर प्राचा को बहस करने के लिए 4 जून की तिथि नियत की गई है। कोर्ट ने महानिबंधक कार्यालय को पक्षों के सभी अधिवक्ताओं को जानकारी देने को कहा है।

यह आदेश भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव व अन्य कुल 18 सिविल वादों की फरवरी 24 से सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने दिया है। हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल 18 याचिकाओं को शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में ऑर्डर 7, रूल 11 के तहत चुनौती दी। शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने बहस के दौरान कहा– मथुरा कोर्ट में दाखिल याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। मामला पूजा स्थल अधिनियम 1991 और वक्फ एक्ट के साथ लिमिटेशन एक्ट से बाधित है। इसलिए इस मामले में कोई भी याचिका न तो दाखिल की जा सकती है और न ही उसे सुना जा सकता है। हिंदू पक्ष की तरफ से कहा गया– इस मामले पर न तो पूजा स्थल अधिनियम का कानून और न ही वक्फ बोर्ड कानून लागू होता है। शाही ईदगाह परिसर जिस जगह मौजूद है वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि की जमीन है। समझौते के तहत मंदिर की जमीन को शाही ईदगाह कमेटी को दी गई है। जो नियमों के खिलाफ है।

हिंदू पक्षकारों के तर्क

ढाई एकड़ में बना शाही ईदगाह कोई मस्जिद नहीं है।

ईदगाह में केवल साल भर में 2 बार नमाज पढ़ी जाती है।

ईदगाह का पूरा ढाई एकड़ का एरिया भगवान का गर्भगृह है।

सियासी षड्यंत्र के तहत ईदगाह का निर्माण कराया गया था।

प्रतिवादी के पास कोई ऐसा रिकॉर्ड नहीं है।

सीपीसी के आदेश–7, नियम–11 इस याचिका में लागू नहीं होता है।

मंदिर तोड़कर मस्जिद का अवैध निर्माण किया गया है।

जमीन का स्वामित्व कटरा केशव देव का है।

बिना स्वामित्व अधिकार के वक्फ बोर्ड ने बिना किसी वैध प्रक्रिया के वक्फ संपत्ति घोषित कर दी।

भवन पुरातत्व विभाग से संरक्षित घोषित है।

एएसआई ने नजूल भूमि माना है। इसे वक्फ संपत्ति नहीं कह सकते।

मुस्लिम पक्षकारों की दलीलें

समझौता 1968 का है। 60 साल बाद समझौते को गलत बताना ठीक नहीं। मुकदमा चलने लायक नहीं।

प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के तहत मुकदमा आगे ले जाने के काबिल नहीं है।

15 अगस्त 1947 वाले नियम के तहत जो धार्मिक स्थल जैसा है वैसा रहे, उसकी प्रकृति नहीं बदल सकते।

लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम के तहत इस मामले को देखा जाए।

वक्फ ट्रिब्युनल में सुनवाई हो, यह सिविल कोर्ट में सुना जाने वाला मामला नहीं।

पिछली सुनवाई में क्या हुआ था

5 घंटे तक सुनवाई चली। इस दौरान शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखा। वकीलों ने मांग किया कि मथुरा कोर्ट में दाखिल वाद को खारिज किया जाए। हिंदू पक्षकारों के वकीलों ने इसका विरोध किया। अदालत ने फिर 30 मई को सुनवाई का आदेश दिया था। हिंदू पक्ष ने कई याचिका पर बहस पूरी की थी30 मई को हुई सुनवाई में हिंदू पक्ष ने अपनी बहस पूरी की थी। इसके बाद आज मुस्लिम पक्ष ने अपनी दलील पेश की। अभी तक की सुनवाई में हिंदू पक्ष मामले को राम जन्मभूमि की तर्ज कर सुनवाई आगे बढ़ाने की मांग कर रहा है। जबकि मुस्लिम पक्षकारों का कहना है कि मामले में आगे की सुनवाई न हो। मुस्लिम पक्ष मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर अपनी बात रखी।

प्रयागराज में कारोबारी पर दो फायर हुए मिस

नकाबपोश बदमाश दुकान पर पहुंचे, निशाना लेकर किया फायरय गोली नहीं चली तो भागा

प्रयागराज। प्रयागराज में एक दवा कारोबारी पर फायर करने का मामला सामने आया है। हालांकि दो बार प्रयास के बाद भी

तमंचे से गोली नहीं चली। मिस फायर हो जाने पर बदमाश को भागना पड़ा। दवा कारोबारी की जान बच गई। सीसीटीवी रिकॉर्डिंग में बदमाश के फायर करते तस्वीर कैद हुई है। पुलिस इसी आधार पर जांच कर रही है। फाफामऊ बाजार में दवा कारोबारी संजय जायसवाल अपनी दुकान पर बैठे थे। तभी एक बाइक पर दो बदमाश आए। एक बदमाश बाइक पर ही बैठा रहा, जबकि चेहरा ढके दूसरा बदमाश उतरकर दुकान तक पहुंचा। दुकान पर एक कस्टमर पहले से मौजूद था। बदमाश कुछ सेकेंड खड़ा रहा, फिर संजय को निशाना बनाते हुए फायर किया। संयोगवश फायर नहीं हुआ तो दूसरी गोली मारी लेकिन इस बार मिस फायर हो गया।

मिस फायर पर भागा बदमाश : गोली न चलने बदमाश दहशत में आ गया और तेजी भागकर सड़क पर पहुंचा। वहां पहले से तैयार साथी की बाइक पर बैठकर भाग निकला। यह देखकर आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद है। कारोबारी ने मामले की तहरीर पर फाफामऊ पुलिस को दी। पुलिस तहरीर लेकर जांच कर रही है। शनिवार शनिवार शाम का बताया जा रहा है।

प्रयागराज में बादलों की लुकाछिपी, उमस से राहत

बादलों की एंट्री से सूरज के तेवर हुए कम, गर्मी से राहत मिलने के आसार

प्रयागराज। प्रयागराज में लगातार एक सप्ताह के बाद मौसम में कुछ बदलाव हुए हैं। जो उमस व गर्मी से लोग परेशान थे, आज रविवार को कुछ हद तक राहत है। यहां सुबह 9 बजे तक का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार आज दोपहर एक बजे तक अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। सुबह से आसमान बादलों की लुकाछिपी का खेल चल रहा है। कभी धूप तो कभी छांव भी है। दरअसल, पड़ोसी शहर जौनपुर में सुबह से मूसलाधार बारिश होने से कुछ असर यहां भी है। अनुमान है कि यहां भी बारिश हो सकती है। जहां अधिकतम तापमान 47 से 49 डिग्री तक पहुंच गया था वहीं अब 41–42 तक रहने की उम्मीद है।

आज नौतपा का आखिरी दिन, मिल सकती है राहत

दरअसल, 25 मई से नौतपा शुरू होने की वजह से पिछले 8 दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही थी। तेज धूप से लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ने लगा। प्रतिदिन लोग धूप और गर्मी से परेशान होते रहे। आज दो जून को नौतपा का आखिरी दिन है। यही कारण है कि अब मौसम में कुछ बदलाव भी होने लगा है। कई शहरों में बारिश होने के बाद अब प्रयागराज में बारिश होने की उम्मीद है। अब तापमान में भी गिरावट आने लगी है। 5 से 6 डिग्री सेल्सियस तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार चार जून तक मौसम में उतार चढ़ाव जारी रहेगा।

आगरा राधा स्वामी सत्संग सभा के पदाधिकारियों को राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राधास्वामी सत्संग सभा के पदाधिकारियों को राहत दी है। उनके खिलाफ आगरा जिला प्रशासन की ओर से दर्ज एफआईआर को रद कर दिया है। यह फैसला जस्टिस सिद्धार्थ और जस्टिस सैयद कमर हसन रिजवी की पीठ ने दिया।

क्या है पूरा मामला आइये बताते हैं ....

याचिकाकर्ताओं ने भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए ध्वस्तीकरण अभियान से पहले सभा के सदस्यों के विरुद्ध दर्ज की गई एफआईआर को चुनौती दी थी। कहा गया कि एफआईआर

में प्रतिवादी अधिकारियों ने यह तथ्य छिपाया है कि विवादित संपत्ति पर मालिकाना हक के संबंध में कुछ रिट याचिकाएं हाईकोर्ट में लंबित हैं। और ऐसी कुछ याचिकाओं में यथास्थिति का आदेश पहले ही पारित किया जा चुका है। याचिका में दलील दी गई है कि राधास्वामी सत्संग सभा अपने अधिकारों के लिए गंभीरता से मुकदमा चला रही है। जबकि जिला प्रशासन और राजस्व अधिकारियों ने प्रतिशोध को खत्म करने और सभा और पदाधिकारियों पर दबाव बनाने को झूठी आपराधिक कार्यवाही शुरू की है। कहा गया है कि सभा की भूमि पर प्रतिवादी अधिकारियों द्वारा अवैध तोड़फोड़ के खिलाफ सभा द्वारा की गई कार्रवाई का बदला लेने के लिए ही पदाधिकारियों के खिलाफ और एफआईआर दर्ज की गई हैं। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत आरोपों के संबंध में, जो पशु क्रूरता के लिए दंड का प्रावधान करता है। यह तर्क दिया गया कि सभा की संपत्ति के किसी भी हिस्से पर कोई अवैध कार्रवाई नहीं की जा रही थी। कहा गया कि एफआईआर दर्ज करते समय प्रतिवादी अधिकारियों ने यह मान लिया था कि सभा की भूमि पर उनका मालिकाना हक है। हाईकोर्ट के पूर्व पारित आदेश पर भरोसा करते हुए खंडपीठ ने कहा– प्रतिवादियों ने तब प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की है जब पक्षों के बीच विवाद दीवानी प्रकृति का था। कोर्ट ने इस आधार पर पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद कर दिया गया। कोर्ट ने अंत में कहा कि यदि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 26 के तहत कार्यवाही प्रतिवादियों के पक्ष में तय होती है, तो वे याचिका कर्ताओं के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के लिए स्वतंत्र हो सकते हैं।

मतगणना में त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा, दो हजार जवानों की तैनाती

प्रयागराज। चार जून को मतगणना त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में कराई जाएगी। इस त्रिस्तरीय घेरे में पुलिस के साथ पीएसी व पैरामिलिट्री के जवान भी शामिल होंगे। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के लिए 2000 जवान तैनात किए जाएंगे। साथ ही 100 मीटर के दायरे में जुलूस–जश्न पर पाबंदी भी लगाई जाएगी। मतगणना के दौरान मुंडेरा मंडी परिसर व आसपास का एरिया छावनी में तब्दील किया जाएगा। पुलिस विभाग ने सुरक्षा संबंधी प्लान फाइनल कर लिया है। इसके तहत मतगणना के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा। इसमें सुरक्षा की दृष्टि से तीन कार्डन बनाया जाएगा। इन्हें आइसोलेशन कार्डन, इनर कार्डन व आउटर कार्डन का नाम दिया जाएगा। आइसोलेशन कार्डन में एसएसबी के जवान तैनात होंगे। यह कार्डन स्ट्रॉन्ग रूम से लेकर मतगणना टेबलों तक सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। इसका काम स्ट्रॉन्ग रूम से ईवीएम निकलने से लेकर मतगणना टेबलों तक सकुशल पहुंचाया जाना व मतगणना टेबलों तक अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश रोकना होगा। इसके बाद इनर कार्डन होगा,जिसमें पीएसी के जवानों को तैनात किया जाएगा। इन जवानों को मतगणना टेबलों से अलग सेक्टर वाइज तैनात किया जाएगा। आउटर कार्डन में पुलिस के जवान तैनात किए जाएंगे। यह कार्डन मतगणना स्थल के इंट्री गेटों पर लगाया जाएगा। इसमें राजपत्रित अधिकारियों के साथ ही अराजपत्रित पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

यह कार्डन मतगणना स्थल के बाहर आसपास के 100 मीटर के दायरे में भी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होगा। इस कार्डन में चार पुलिस उपायुक्त, चार अपर पुलिस उपायुक्त, 17 सहायक पुलिस आयुक्त भी शामिल किए गए हैं।

एग्जिट पोल को गलत बता रहा विपक्ष, भाजपाई गदगद

सपा प्रदेश अध्यक्ष बोले– गुमराह करने के लिए गलत दिखाया जा रहा है

प्रयागराज। एक जून को यानी 7वें चरण का चुनाव संपन्न होने के बाद से लगातार एग्जिट

पोल सामने आने लगे हैं। इसमें भाजपा को ज्यादा सीटें मिलते दिख रही हैं। इस एग्जिट पोल से इंडी गठबंधन और विपक्ष के लोग असंतुष्ट हैं। वे इसे पूरी तरह से फर्जी बता रहे हैं। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने इस एग्जिट पोल को गलत बताया है। वहीं भाजपाई लगातार तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में देख रहे हैं और वह एग्जिट पोल से पूरी तरह से खुश हैं।

आइए जानते हैं, दैनिक भास्कर से बातचीत में इंडी गठबंधन और भाजपा के नेता क्या कहते हैं..

हर बार की तरह झूठा साबित होगा एग्जिट पोलः सपा

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान कहा कि यह एग्जिट पोल हर बार की तरह से झूठा साबित होगा। कार्यकर्ताओं को और मतगमणना में लगे कर्मचारियों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो विधानसभा के चुनाव में दिल्ली में एग्जिट पोल के हिसाब से अरविंद केजरीवाल सत्ता से बाहर जा रहे थे लेकिन उल्टा हो गया, केजरीवाल अच्छी सीटों के साथ जीत हासिल करने में सफल रहे और वहां भाजपा दिल्ली में महज 3 सीटों तक सीमित रहीं। इसी तरह यहां भी इस बार यूपी में 80 प्लस हम जा रहे हैं।

तानाशाह सरकार के दबाव में एग्जिट पोल बताने वालेरू कांग्रेस : प्रयागराज कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन एग्जिट पोल को पूरी तरह से फेक बता रहे हैं। वह कहते हैं कि "यह मोदी सरकार तानाशाह है, कुछ ऐसे चौनल जो भाजपा के दबाव में हैं वह एग्जिट पोल में भाजपा की भारी बढ़त बता रहे हैं, जो हकीकत से परे है। देश में इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। इलाहाबाद से कांग्रेस प्रत्याशी और फूलपुर से सपा प्रत्याशी की जीत तय है। यूपी में सपा–कांग्रेस गठबंधन की 32 से 34 सीटें जीत रहे हैं। "

बीएसपी मंडल प्रभारी बोले.. जमीनी हकीकत के विपरीत एग्जिट पोल : प्रयागराज मंडल के बसपा प्रभारी साबिर सिद्दीकी कहते हैं कि एग्जिट पोल जमीनी हकीकत से बिल्कुल अलग है। चुनाव में लगे अधिकारियों और कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाने के लिए इस तरह का एग्जिट पोल चलवाया जाता है। सभी सीटों पर बसपा ने अच्छी लड़ाई लड़ी है। जनता का समर्थन मिला है और हम चुनाव जीत रहे हैं। यह 4 जून को स्पष्ट हो जाएगा।

हारने के बाद ईवीएम पर लगाएंगे इल्जाम : भाजपा

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. शैलेश पांडेय ने एग्जिट पोल पर अपनी राय दी। बोले– " विपक्षी चुनाव हार चुके हैं। उनके पास कोई आधार नहीं है। हारने के बाद हर बार की तरह वह ईवीएम पर इल्जाम लगाएंगे। इंडी गठबंधन के नेता 4 जून के बाद ध्यान लगाने के लिए विदेश चले जाएंगे। इलाहाबाद और फूलपुर सीट दोनों भाजपा जीत रही है। 80 में से 70 से 75 सीटों पर कमल खिलने जा रहा है।

संगम पर हेलिकॉप्टर जॉय राइडिंग, हॉट एयर बैलूनिंग का मिलेगा आनंद

प्रयागराज। महाकुंभ में पर्यटकों को लुभाने के लिए लेजर शो, हेलिकॉप्टर जॉय राइडिंग, हॉट एयर बैलूनिंग कराने की तैयारी है। इससे विदेशी पर्यटक आकर्षित होंगे। विदेशी पर्यटकों के आने से

स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। युवाओं को ट्रेनिंग देकर बहुभाषी गाइड बनाया जाएगा। यह बातें शनिवार को सिविल लाइंस स्थित एक होटल में महाकुंभ कॉन्क्लेव में विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया ने कहीं। विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया ने बताया कि शृंग्वेरपुर को एग्रो रूरल विलेज के रूप में तैयार किया जा रहा है। वहीं, द्वादश माधव, बुद्ध सर्किट समेत 12 महत्वपूर्ण स्थलों के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए काम हो रहा है। चित्रकूट धाम को भी धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर उभारा जाएगा। उनका कहना था कि प्रयागराज के अलावा यूपी के सभी दार्शनिक और धार्मिक स्थलों को विकसित करने का खाका खींचा गया है। साथ ही प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, विंध्याचल, चित्रकूट घूमने के लिए पर्यटकों को विशेष पैकेज भी दिए जाएंगे। टेंट में लोगों को फ्री इंटरनेट, मेडिकल, सुरक्षा, यात्रा, पानी की सुविधाएं 24 घंटे मिलेगी। इससे पहले मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद की मौजूदगी में विशेष सचिव पर्यटन ने दीप प्रज्ज्वलन कर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। बतौर मुख्य अतिथि मंडलायुक्त ने कहा कि प्रयागराज में कई ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जिन्हें पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की जरूरत है। इन स्थलों को तैयार कर टूरिस्ट पॉइंट बनाया जा सकता है। वहां पर लोग न सिर्फ घूमने के लिए जाएंगे, बल्कि वहां के महत्व को भी जानने का मौका मिलेगा। ऐसे अनेक सुंदर स्थल हैं, जो अभी प्रसिद्ध नहीं है। विशेष रूप से प्रचार–प्रसार कर पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है। हमें यह प्रयास करना चाहिए कि जो भी पर्यटक आएं, वह दो–तीन दिन ठहरें और अधिक स्थलों पर भ्रमण कर सकें। कुंभ मेलाधिकारी ने बताया कि 2025 में होने वाला महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा मेला होगा। 2019 के कुंभ मेला से भी ज्यादा भव्य और दिव्य स्वरूप में इसे आयोजित करने की तैयारी है। अधिकतम काम शुरू हो चुके हैं और समय से पहले पूरा करवाने का लक्ष्य भी है। अंत में पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता, द इटा एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की जनरल सेक्रेट्री अरुणा शेट्टी, होटल उद्यमी अरुण गुप्ता, इंटैक की ओर से अनुपम परिहार ने हिस्सा लिया। इस दौरान आए हुए लोगों ने कई सुझाव भी दिए।

श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मिलेगी हाईटेक सुविधा

महाकुंभ में अरैल घाट की तरफ 2000 कॉटेज वाली टेंट सिटी बसाई जाएगी। वहां पर हॉट एयर बैलूनिंग की भी योजना है। बैलूनिंग के जरिए लोग संगम क्षेत्र का दर्शन कर सकेंगे। यह धार्मिक मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही पर्यटकों को भी आकर्षित करेगा। वहीं, लोगों को हेलीकॉप्टर से जॉय राइडिंग भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। वैसे 2019 कुंभ मेले में हेलिकॉप्टर के जरिए लोगों ने लुत्फ उठाया था।

टेंट सिटी में खास

टेंट सिटी में योग, प्रवचन, भजन, साइकलिंग, योग, ध्यान, चिकित्सा, रिवर व्यू जैसी सांस्कृतिक गतिविधियां होंगी। विदेशी पर्यटकों के लिए विदेशी मुद्रा के लेनदेन की भी सुविधा रहेगी।

1.27 लाख अभ्यर्थी देंगे एसएससी जेई का एग्जाम

प्रयागराज समेत यूपी और बिहार के 16 शहरों में बने 56 सेंटर, 5 जून से शुरू होंगी परीक्षा

प्रयागराज। एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग) की जूनियर इंजीनियर भर्ती एग्जाम 5 जून से शुरू हो रहे हैं। यह 7 जून तक चलेगी। परीक्षा तीन पालियों में होगी। सुबह 9 बजे से 11 बजे तक, दोपहर एक बजे 3 बजे तक और शाम 5 बजे से 7 बजे तक एग्जाम होंगे। एग्जाम के लिए सबसे ज्यादा सेंटर लखनऊ में बनाए गए। यहां 11 एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं। प्रयागराज समेत यूपी और बिहार के 16 शहरों में सेंटर बनाए गए हैं। कुल 56 सेंटर बनाए गए हैं। इस एग्जाम में 1,27,171 अभ्यर्थी शामिल होंगे। अभ्यर्थी शनिवार से ही एसएससी मध्य क्षेत्र की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करने लगे हैं। दरअसल जेई के 968 पदों पर भर्ती किए जाने के लिए यह एग्जाम कराए जा रहे हैं। जिसमें देशभर के अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे।

फूलपुर में सिपाही की मौत

लंबे दिनों से चल रहा था बीमार, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

फूलपुर, प्रयागराज। फूलपुर में दो महीने से बीमार सिपाही की मौत हो गई। आधी रात अचानक सिपाही की तबीयत और बिगड़ गई। जिसके बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर भागे, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। सूचना पर पहुंची फूलपुर पुलिस ने सिपाही के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के ऊगापुर गांव के रहने वाले मुकेश सिंह (35) अंबेडकरनगर में सिपाही के पद पर तैनात थे। वह करीब दो महीने से बीमारी की वजह से छुट्टी पर चल रहे थे। बताते हैं कि शाम भोजन कर घर पर सो गए। आधी रात में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। आनन फानन परिजन फूलपुर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के एक बेटा और एक बेटी हैं। घटना से पत्नी व बच्चों तथा परिवार के सदस्यों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना पर इंस्पेक्टर फूलपुर दीनदयाल सिंह मौके पर पहुंचे और मृतक सिपाही के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह का कहना है कि सिपाही की मौत किन कारणों से हुई, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ पता चल सकेगा।

संक्षिप्त

फैंस का टूटा दिल, माइक टायसन से यूट्यूबर जेक पॉल का मुकाबला स्वास्थ्य कारणों से हुआ स्थगित

माइक टायसन की यूट्यूबर जेक पॉल से रिंग में वापसी को लेकर फैंस को अभी और इंतजार करना होगा। पूर्व हैवीवेट चौंपियन फिलहाल स्वास्थ्य समस्याओं से गुजर रहे हैं और इसी के डर ने उन्हें वापसी करने से रोक लिया है। मैच को इसके बाद स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की है। टायसन जब पिछले रविवार को मियामी से लॉस एंजिल्स आ रहे थे तो उन्हें चिकित्सा इलाज की जरूरत पड़ी थी। चक्कर आने की शिकायत के बाद उन्हें ट्रीटमेंट के लिए ले जाया गया था। 20 जुलाई को टेक्सास में पॉल के साथ उनका मैच था। आयोजकों ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि टायसन को गुरुवार को डॉक्टरों के साथ फॉलो अप के बाद आने वाले हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग की सलाह दी गई है। इसके बाद पता चला की उन्हें अल्सर है। जिसके बढ़ने से उन्हें फ्लाइट में समस्याएं आई थीं। साथ ही बयान में कहा गया कि माइक टायसन को सलाह है कि वह अगले कुछ हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग करें और फिर जब मन करे तब पूरी फिटनेस ट्रेनिंग के लिए लौटें। माइक और जेक दोनों इस बात से सहमत हैं कि ये सुनिश्चित करना उचित है कि दोनों एथलीट इस अहम मैच के लिए तैयार है या नहीं। आयोजकों ने कहा कि, एथलीट्स का स्वास्थ्य और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम माइक को जरूरी समय लेने में पूरी तरह से समर्थन करते हैं ताकि वह उस स्तर पर प्रदर्शन कर सकें जिसकी वह खुद से अपेक्षा करते हैं। बयान में कहा गया है कि मुकाबले की नई तारीख की घोषणा सात जून तक की जाएगी।

किंग्स कप के फाइनल में अल हिलाल से हार के बाद रोने लगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो, देखें वीडियो

सऊदी अरब की फुटबॉल लीग में अल नस्त्र से खेलने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो किंग्स कप फाइनल में कट्टर प्रतिद्वंद्वी अल–हिलाल के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार के बाद फूट–फूट कर रोने लगे। मैच का परिणाम अपने पक्ष में नहीं आने के बाद रोनाल्डो मैदान पर लेट गए और रोने लगे। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम में स्कोर 1–1 से बराबर रहने के बाद अल हिलाल ने अल नस्त्र को पेनल्टी शूटआउट में 5–4 से हराया। अल हिलाल के गोलकीपर यासीन बूनो ने दो सेव किए और अल हिलाल की जीत के हीर रहे। शूटआउट में अल हिलाल के लिए रुबेन नेवेस और अल नस्त्र के लिए एल्केस टेलेस शूट लेने पहुंचे और दोनों ने शॉट मिस किया। इसके बाद अल हिलाल की ओर से एलेक्जेंडर मित्रोविच और नस्त्र के अली अलहसन ने अपने अपने शॉट मिस किए। अगले शॉट में अल हिलाल के नासेर ने तो गोल किया, लेकिन अल नस्त्र के मेहशारी अपना शॉट चूक गए। ऐसे में अल हिलाल ने 5–4 से जीत हासिल की। पुर्तगाली सुपरस्टार का व्यक्तिगत तौर पर शानदार सीजन था, लेकिन उन्होंने इसे ट्रॉफी रहित समाप्त किया। इससे ही वह दुखी हो गए और इतने संघर्ष के बाद ट्रॉफी नहीं जीत पाने से उनकी आंखों में आंसू आ गए। इस 30 वर्षीय फुटबॉलर ने हाल ही में सऊदी प्रो लीग सीजन में ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ा था।

व्हीलचेयर खरीदने के लिए पैसा नहीं होने के कारण प्रभावित हो रही है पैरा निशानेबाज मोना की तैयारी

पैरा निशानेबाजी विश्व कप में लगातार स्वर्ण पदक जीतने के बावजूद मोना अग्रवाल नई व्हीलचेयर खरीदने के लिए जरूरी ध नराशि नहीं जुटा पा रही हैं जिससे उनकी पेरिस पैरालंपिक खेलों की तैयारी प्रभावित हो रही है। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी पोलियो से ग्रस्त है और पैरा निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) वर्ग में भाग लेती है। उन्होंने मार्च में नयी दिल्ली में पैरा निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीत कर भारत को पैरालंपिक खेलों के लिए नौवां और अंतिम कोटा दिलाया था। दो बच्चों की मां मोना ने इसके बाद अप्रैल में कोरिया के चांगवोन में पैरा विश्व कप में एक और स्वर्ण पदक जीता था। प्रायोजकों से मिली सारी धनराशि उन्होंने राइफल खरीदने और कोरिया में खेली गई प्रतियोगिता में स्वयं के खर्चे पर जाने पर खर्च कर दी। अब उनके पास व्हीलचेयर खरीदने के लिए कोई धनराशि नहीं बची है। मोना ने जयपुर से पीटीआई से कहा,'' दिल्ली में पैरा विश्व कप में सफलता के बाद मुझे लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) में शामिल किए जाने की उम्मीद थी लेकिन मैं नहीं जानती कि इतनी देरी क्यों हुई।'' उन्होंने कहा,''मैंने भारतीय खेल प्राधिकरण को कई मेल लिखे हैं और उन्हें सूचित किया है कि मुझे पैरालिंपिक के लिए कुछ उपकरण अपग्रेड करने हैं, इसलिए मुझे वित्तीय सहायता की जरूरत है।'' इस निशानेबाज ने कहा,''मुझे वर्तमान वर्ष के लिए अपने प्रायोजक से 15 लाख रुपए मिले थे जो मैंने राइफल खरीदने और कोरिया में प्रतियोगिता में भाग लेने पर खर्च कर दिए। कोरिया में खेले गए विश्व कप में मैं अपने खर्चे पर गई थी। मुझे नई व्हीलचेयर खरीदने के लिए लगभग छह लाख रुपए की जरूरत है।

अल हिलाल के हाथों फाइनल मुकाबला हारने के बाद भावुक हुए रोनाल्डो

जेद्दा। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपनी टीम अल नासर के किंग्स कप के फाइनल में अल हिलाल के हाथों हार के बाद अपने आंसू नहीं रोक पाए। रोनाल्डो अपनी टीम की हार के बाद जब स्टेडियम से बाहर निकले तो उनकी आंखों में आंसू थे। यह लगातार दूसरा सत्र है जबकि रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर की टीम सऊदी अरब में कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीत पाई। अल हिलाल ने यह मैच पेनल्टी शूटआउट में 5–4 से जीता। दोनों टीम अतिरिक्त समय के बाद भी 1–1 से बराबरी पर थी जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। रोनाल्डो टीम की हार के बाद निराशा में जमीन पर लेट गए और उनके साथियों ने उन्हें सांत्वना दी। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल नासर से जुड़े थे। अल नासर को यह हार सऊदी प्रो लीग सत्र के समापन के चार दिन बाद मिली है। अल नासर प्रो लीग में अल हिलाल के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। अल हिलाल ने 14 अंकों के बड़े अंतर से अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा था। रोनाल्डो के लिए राहत की बात यह रही कि उन्होंने प्रो लीग के इस सत्र में रिकॉर्ड 35 गोल किए।

टी20 विश्व कप के एक ओवर में सर्वाधिक रन लुटाने वाले दूसरे गेंदबाज बने गॉर्डन

डलास। अमेरिका और कनाडा के बीच ग्रुप–ए के मुकाबले के साथ ही टी20 विश्व कप 2024 की धमाकेदार शुरुआत हो गई। इस मैच में दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने उम्दा प्रदर्शन किया, लेकिन अमेरिका के आरोन जोंस की पारी कनाडा पर भारी पड़ी। इस मैच में कई रिकॉर्ड बने, लेकिन कनाडा के गेंदबाज जेरेमी गॉर्डन के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। गॉर्डन टी20 विश्व कप में सर्वाधिक रन लुटाने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। आरोन जोंस और आंद्रिस गोउस ने दमदार बल्लेबाजी कर अमेरिका को कनाडा के खिलाफ ग्रुप–ए के मुकाबले में सात विकेट से हराकर आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में विजय शुरुआत दिलाई। आरोन जोंस ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों पर चार चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 94 रनों की पारी खेली। गॉर्डन ने एक ओवर में लुटाए 33 रन लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने अपने दो विकेट जल्द ही गंवा दिए थे, लेकिन आरोन और आंद्रिस ने शानदार साझेदारी कर टीम को ना सिर्फ संभाला बल्कि जीत भी दिलाई। मैच का 14वां ओवर डालने आए गॉर्डन पर आंद्रिस गउस और आरोन भारी पड़े। आंद्रिस ने गॉर्डन की पहली गेंद पर छक्का जड़ा और फिर चौका लगाया। गॉर्डन ने इसके बाद वाइड और लगातार दो गेंदें नोबॉल फेंक डाली जिस पर आंद्रिस ने सिंगल निकाला। तीसरी गेंद पर आरोन ने छक्के लगाया। गॉर्डन ने अगली गेंद फिर वाइड की, जबकि चौथी गेंद पर आरोन ने एक रन लिया। इसके बाद आंद्रिस ने पांचवीं गेंद पर छक्का जड़ा और छठी गेंद को चौके के लिए भेजा। इस तरह अमेरिका ने गॉर्डन के ओवर से 33 रन जुटाए। गॉर्डन का यह ओवर टी20 विश्व कप का दूसरा सबसे महंगा ओवर रहा। इस वैश्विक टूर्नामेंट के एक ओवर में सबसे ज्यादा रन लुटाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के नाम है जिन्होंने 2007 टी20 विश्व कप में 36 रन लुटाए थे। उस वक्त भारत के युवराज सिंह ने ब्रॉड की छह गेंदों पर लगातार छह छक्के जड़े थे। अमेरिका ने हासिल किया टी20 विश्व कप का तीसरा सबसे बड़ा लक्ष्य कनाडा ने नवनीत धालीवाल और निकोलस किरटोन के अर्धशतकों से 20 ओवर में पांच विकेट पर 194 रन बनाए थे, लेकिन जवाब में अमेरिका ने 17.4 ओवर में ही तीन विकेट पर 197 रन बनाकर जीत दर्ज की।

अपने आखिरी ओलंपिक में देश को टेबल टेनिस पदक दिलाने की उम्मीद शरत कमल को

पेरिस में भारतीय पुरुष टीम की अगुआई करने वाले शरत ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित कराई गयी 'वर्चुअल' बातचीत में कहा, ''पहली बार हम टीम (पुरुष और महिला) स्पर्धाओं में खेलेंगे।

नयी दिल्ली। अपने पांचवें ओलंपिक के लिए कड़ी तैयारियों में जुटे अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल को पेरिस में मिलने वाली कड़ी चुनौती के बावजूद उम्मीद है कि इस बार खेल में ओलंपिक का पदक का सूखा खत्म होगा। पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम के ध्वजवाहक शरत कमल इस समय जर्मनी में ट्रेनिंग में जुटे हैं। पेरिस में भारतीय पुरुष टीम की अगुआई करने वाले शरत ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित कराई गयी 'वर्चुअल' बातचीत में कहा, ''पहली बार हम टीम (पुरुष और महिला) स्पर्धाओं में खेलेंगे। ओलंपिक में इतनी कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है। मेरे पास राष्ट्रमंडल खेलों (सात स्वर्ण सहित 13 पदक), एशियाई खेलों (दो कांस्य) के पदक हैं। बस ओलंपिक पदक की कमी है। उम्मीद करता हूं कि इस बार देश के, खेल महासंघ और खुद के लिए यह पदक जीत सकें।'' उन्होंने कहा, ''टीम स्पर्धाओं में युगल सबसे अहम होता है क्योंकि हम शुरूआत ही इससे करते हैं। अगर अच्छी शुरूआत हो तो आत्मविश्वास बढ़ता है।'' शरत मानते हैं कि शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक रूप से मजबूती पदक दिलाने में अहम होगी और ट्रेनिंग सत्र में टीम मजबूती पर काफी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''टीम को मजबूती देने पर जोर लगा है क्योंकि सभी की उम्मीदों से दबाव होगा ही। ओलंपिक 'खेलों का उत्सव' है, जहां हर खेल के शीर्ष एथलीट होते हैं और अगर सफलता हासिल करनी है तो दबाव का आनंद लेकर खेलना होगा। युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें से कुछ का पहला ओलंपिक है। लेकिन सभी को दबाव से निपटना होगा। हम अपना फोकसअपने प्रदर्शन पर रखना होगा। '' वर्ष 2004 में ओलंपिक में पदार्पण करने वाले 41 वर्षीय शरत का यह अंतिम ओलंपिक होगा। अपने दो दशक के करियर में शरत ने ऐसा दौर भी देखा है जब खिलाड़ियों को अपनी छोटी छोटी जरूरतों के लिए खेल मंत्रालय के चक्कर काटने पड़ते थे।

39 साल में दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से लिया संन्यास, लिखा भावुक पोस्ट

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया है। विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक ने 1 जून को अपने 39वें जन्मदिन पर संन्यास का ऐलान किया। कार्तिक हालिया आईपीएल सीजन में आरसीबी के लिए खेलते दिखे थे। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपने दो दशक से ज्यादा लंबे क्रिकेटिंग करियर को याद किया है। कार्तिक ने ग पर लिखा, पिछले कुछ दिनों में मुझे जो स्नेह, समर्थन और प्यार मिला है, उससे मैं अभिभूत हूं। इस चीज को संभव बनाने वाले सभी फैंस के प्रति मेरी गहरी कृतज्ञता और हार्दिक धन्यवाद। काफी समय तक इस पर विचार करने के बाद मैंने क्रिकेट से हटने का निर्णय लिया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपने संन्यास की घोषणा करता हूं, अपने खेल के दिनों को पीछे छोड़कर आगे आने वाली नई चुनौतियों के लिए तैयार हो रहा हूं। कार्तिक कहते हैं, मैं अपने कोचों, कप्तानों, चयनकर्ताओं, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस लंबी यात्रा को सुखद और आनंददायक बनाया है। मैं खुद को उन कुछ भाग्यशाली लोगों में से एक मानता हूं जिन्हें देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। इतने सारे फैंस और दोस्तों की सद्भावना अर्जित करने के लिए मैं और भी भाग्यशाली हूं। कार्तिक ने आगे कहा कि, इन सभी वर्षों में मेरे माता–पिता मेरी ताकत और समर्थन के स्तंभ रहे हैं और उनके आशीर्वाद के बिना मैं आज जो कुछ भी हूं, वह नहीं होता। मैं दीपिका का भी बहुत आभारी हूं, जो खुद एक पेशेवर खिलाड़ी हैं। हमारे महाने खेल के सभी फैंस को बहुत–बहुत धन्यवाद। आपके समर्थन और शुभकामनाओं के बिना क्रिकेट और क्रिकेटर्स का अस्तित्व वैसा नहीं होता। दिनेश कार्तिक का इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू एमएस धोनी से पहले हुआ था। कार्तिक ने नवंबर 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में किया था। वहीं धोनी ने अपना टेस्ट डेब्यू चेन्नई में श्रीलंका के खिलाफ दिसंबर 2005 में किया। धोनी का वनडे डेब्यू दिसंबर 2004 में बांग्लादेश के खिलाफ चटगांव में था। हालांकि, टी20 डेब्यू धोनी और डीके का एक ही मैच में था, जो साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला गया था। प्ल्स में 6 टीमों से खेले कार्तिक दिनेश कार्तिक आईपीएल के शुरुआती सीन से अब तक खेलने वाले खिलाड़ियों में शुमार रहे। उन्होंने 257 मैचों में 22 अर्धशतक लगाकर 4842 रन बनाए। कार्तिक आईपीएल के इतिहास टॉप 10 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। इस दौरान कार्तिक ने 147 कैच और 37 स्टम्प भी किए।

हुंदै की बिक्री मई में 7 प्रतिशत बढ़कर 63,551 इकाई पर

नयी दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की वाहन बिक्री मई में सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 63,551 इकाई रही है। पिछले साल समान माह में कंपनी ने 59,601 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी की घरेलू थोक बिक्री मई में एक प्रतिशत बढ़कर 49,151 इकाई हो गई, जो पिछले साल मई में 48,601 इकाई थी। कंपनी ने शनिवार को बयान में कहा कि वाहन निर्यात मई में 31 प्रतिशत बढ़कर 14,400 इकाई हो गया, जो पिछले साल मई में 11,000 इकाई था।एचएमआईएल के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा, "हमने अपने श्रीपेरंबदूर कारखाने में नियमित द्विवार्षिक रखरखाव के चलते एक सप्ताह तक कारखाना बंद होने के बावजूद मई, 2024 में एक स्वस्थ बिक्री बनाए रखी है।" उन्होंने कहा कि वृद्धि में सबसे ज्यादा योगदान स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड का बना हुआ है।

ओडिशा में 11,782 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए बोलियां मांगी गईं

नयी दिल्ली। ओडिशा में 11,782 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए वैश्विक और घरेलू कंपनियों से बोलियां आमंत्रित की गई हैं। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और बीएचईएल द्वारा एक संयुक्त उद्यम–भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) के गठन के बाद ये बोलियां आमंत्रित की गई हैं। इसके साथ ही दोनों सार्वजनिक उपक्रमों ने कोयला से लेकर रसायन कारोबार में प्रवेश कर लिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "बीसीजीसीएल ने 30 मई, 2024 को ओडिशा में 'कोयला से अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए एलएसटीके–2 (एकमुश्त टर्नकी) ठेकेदार के चयन के लिए निविदा दस्तावेज जारी किया है।" यह निविदा सिंथेटिक गैस शोधन संयंत्र और अमोनिया संश्लेषण गैस संयंत्र से संबंधित है। यह कोयला गैसीफायर से उत्पादित कच्चे सिंथेटिक गैस को शुद्ध करेगा और उसे अमोनिया संश्लेषण के लिए उपयुक्त बनाएगा। दोनों कंपनियों ने सतही कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी के जरिए देश का पहला वाणिज्यिक पैमाने का कोयला–से–अमोनियम नाइट्रेट संयंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौता किया है। पूर्व–व्यवहार्यता रिपोर्ट के अनुसार, पूरी परियोजना लागत 11,782 करोड़ रुपए है।

सम्पादकीय

हादसों की हद

एक बार फिर वीरवार को जम्मू–कश्मीर में श्रद्धालुओं से भरी बस खाई में गिर गई। इसमें बाईस लोगों की मौत हो गई और 57 घायल हो गए। डेढ़ सौ फुट गहरी खाई में बस गिरने से राहत–बचाव कार्य में बाधा आई। इतनी गहराई में बस गिरने से यात्रियों के पीड़ा व कष्ट का अहसास किया जा सकता है। ऐसे छोटे–बड़े हादसों में निर्दोष लोगों की मौत की खबरें रोज अखबारों की सुर्खियां बनती हैं। कहा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के हाथरस से आ रही बस तेज गति के चलते एक कार को बचाने के प्रयास में एक तीव्र मोड़ पर अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। कतिपय सूचना माध्यमों में चालक को नींद आने की बात भी कही गई। निस्संदेह, ऐसी बड़ी दुर्घटनाओं के मूल में मानवीय लापरवाही ही होती है। यह विचारणीय तथ्य है कि मैदानी इलाकों से जटिल पर्वतीय मार्गों पर बस ले जाने वाले चालकों को क्या पहाड़ी रास्तों पर बस चलाने का पर्याप्त अनुभव होता है? जो तीखे मोड़ पर वाहन को नियंत्रित कर सकें। दरअसल, जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में होने वाली दुर्घटनाओं में मानवीय क्षति ज्यादा होती है। वजह साफ है कि गहरी खाई बचने के मौके कम ही देती हैं। यह विडंबना है कि बड़े हादसों के बाद शासन–प्रशासन की तरफ से मुआवजे व संवेदना का सिलसिला तो चलता है लेकिन हादसों के कारणों की तह तक नहीं जाया जाता। यदि हादसों के कारणों की वास्तविक वजह सार्वजनिक विमर्श में आए तो उससे सबक लेकर सैकड़ों लोगों की जान बचायी जा सकती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में करीब डेढ़ लाख लोगों की मौत हो जाती है। वहीं करीब साढ़े चार लाख लोग इन दुर्घटनाओं में घायल हो जाते हैं। इनमें कई लोग तो जीवन भर के लिये विकलांगता का शिकार हो जाते हैं। भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का आंकड़ा पूरी दुनिया में तीसरे नंबर पर है। लेकिन इसके बावजूद पूरे देश में नीति–नियंताओं की तरफ से बेमौत मरते लोगों का जीवन बचाने की ईमानदार पहल नहीं होती। हाल के वर्षों में देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार हुआ। सड़कें चौड़ी और सुविधाजनक हुई। लेकिन रफ्तार का बढ़ना जानलेवा साबित हो रहा है। कहींदृकहीं सड़क निर्माण तकनीकी में चूक भी हादसों की वजह बनने की खबरें आई हैं। वहीं बड़ी संख्या में हादसों की वजह अनियंत्रित रफ्तार, यातायात नियमों का उल्लंघन तथा शराब पीकर वाहन चलाना रहा है। यदि दुर्घटनाओं के कारणों में विस्तार से जाएं तो वाहन चलाने के अनुभव के बिना ड्राइविंग लाइसेंस हासिल करना व ट्रक चालकों की आंखों की नियमित जांच न होना भी सामने आता है। दरअसल, वाहनों की फिटनेस, सार्वजनिक वाहन चालकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच तथा निर्धारित समय तक ही वाहन चलाने की अवधि भी तय की जानी चाहिए। कई सर्वेक्षण बताते हैं कि चालक की नींद पूरी न होने और उसे पर्याप्त आराम न मिलने से हादसा हुआ। चिंता की बात यह भी है कि लोग रात में सफर करना सुविधाजनक मानने लगे हैं। जबकि रात को वाहन चलाना कई मायनों में असुरक्षित होता है और किसी हादसे के बाद पर्याप्त सहायता व उपचार न मिलना जानलेवा साबित हो सकता है। इन दुर्घटनाओं का दुखद पहलू यह है कि मरने वाले में अधिकांश युवा व परिवार के कमाने वाले सदस्य होते हैं। हादसे के बाद पूरा परिवार गरीबी के दलदल में चला जाता है। यह राष्ट्र की बड़ी आर्थिक क्षति होती है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि यदि भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या रोकी जा सके तो देश के सकल घरेलू उत्पाद में तीन फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। नीति–नियंताओं को इस बात पर भी विचार करना होगा कि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत में वाहन कम होने के बावजूद सड़क दुर्घटनाएं इतनी बड़ी संख्या में क्यों होती हैं?

तेलुगुभाषी दो राज्यों में कड़ी है चुनावी टक्कर

किंशुक नाग

> *तेलंगाना गठन की केसीआर की योजना सफल रही क्योंकि उन्हें राज्य में मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त था। कांग्रेस ने नए राज्य के गठन को मंजूरी दी और चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए केसीआर की पार्टी टीआरएस के साथ गठबंधन किया।*

दक्षिण के दो तेलुगुभाषी राज्यों में मतदान होने के बाद तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में जून के पहले सप्ताह में आने वाले परिणामों के बारे में बहुत सारी अटकलें लगाई जा रही हैं। क्या भाजपा तेलंगाना के कुछ शहरी हिस्सों से आगे अपनी पैठ बढ़ायेगी या कांग्रेस अपना नया गढ़ बनाए रखेगी? आंध्र में अब भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल चंद्रबाबू नायडू भाजपा की पूर्व सहयोगी वाईएसआरसीपी के जगन रेड्डी से किस तरह मुकाबला कर पाएंगे? चुनावी जंग में नए गठबंधनों ने पुराने गठबंधनों की जगह ले ली है इसलिए तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों और आंध्रप्रदेश की 25 लोकसभा सीटों पर इस तरह के सवाल उठ रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी इसे अपना श्कुरुक्षेत्रश कहते हैं। वाईएसआरसीपी सभी 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है और लोकसभा के साथ ही हो रहे विधानसभा चुनाव जीतकर आंध्र प्रदेश पर अपना कब्जा बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। तेलंगाना राज्य के गठन के लिए 2014 में आंध्रप्रदेश को विभाजित किया गया था। तेलंगाना पर पिछले दस वर्षों से के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने शासन किया है। मूल रूप से चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के एक महत्वपूर्ण सदस्य केसीआर ने पार्टी में अपना कोई भविष्य न होने के कारण बगावत कर दी और तेलंगाना के मुद्दे का प्रचार किया। तेलंगाना राज्य की मांग 70 के दशक की शुरुआत से ही रही है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तेलंगाना के पीवी नरसिम्हा राव को एकीकृत आंध्रप्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर यह संकट टाला था। पीवी नरसिम्हा राव दो दशक बाद प्रधानमंत्री बने। स्थानीय लोग एनटी रामाराव के श्आंध्रीकरणश के विचारों से परेशान थे क्योंकि इसका मतलब तेलंगाना क्षेत्रों में आंध्र संस्कृति का आयात था इसलिए 1990 के दशक में पृथक तेलंगाना का मुद्दा एक बार फिर सामने आया। दोनों क्षेत्र खान–पान सम्बन्धी शैलियों और स्थानीय संस्कृतियों में भिन्न थे और यहां तक कि तेलुगु बोलने के उनके लहजे में भी फर्क था। तेलंगाना गठन की केसीआर की योजना सफल रही क्योंकि उन्हें राज्य में मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त था। कांग्रेस ने नए राज्य के गठन को मंजूरी दी और चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए केसीआर की पार्टी टीआरएस के साथ गठबंधन किया। नायडू उस समय भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा थे। लेकिन केसीआर ने कांग्रेस के साथ गठबंधन का दिखावा करते हुए भी तेलंगाना के गठन के बाद 2014 में हुए चुनावों में कांग्रेस को धोखा दिया। केसीआर ने जनता को यह दिखाने के लिए सफलतापूर्वक लॉबिंग की थी कि वे तेलंगाना के एकमात्र निर्माता थे और क्योंकि उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी, आमरण अनशन भी किया था इसलिए वे इसका श्रेय लेने के हकदार थे। इसी भावना का फायदा उठाते हुए केसीआर ने विधान सभा की कुल 119 सीटों में से 63 सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस पार्टी 21 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। 2019 में केसीआर ने फिर से विजय प्राप्त की थी। सत्ता में आने के बाद केसीआर ने तेलंगाना सरकार को अपनी निजी जागीर बना लिया और बेटे केटी रामाराव और भतीजे हरीश राव को महत्वपूर्ण मंत्री बनाया। उनकी बेटी के. कविता सांसद बनी। कई मंत्री और महत्वपूर्ण नेता उनकी ही वेलमा जाति से थे। वेलमा एक समृद्ध जाति है लेकिन उनकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। यहां तक कि उन्होंने वेलमा जाति के व्यवसायियों को भी बढ़ावा दिया। तेलंगाना के लिए उनकी लड़ाई में समाज के सभी वर्गों के नागरिकों ने केसीआर का समर्थन किया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद केसीआर ने खुद को इन वर्गों से काट लिया। उन्हें इस बात का एहसास नहीं हुआ कि इस वजह से उन्होंने अपना आधार खो दिया है। पहले हैदराबाद निजाम द्वारा शासित एक सामंती गैर लोकतांत्रिक राज्य था जिसके एक हिस्से पर तेलंगाना राज्य ने कब्जा कर लिया था। स्वतंत्र भारत एक लोकतांत्रिक राज्य था लेकिन लोगों की प्रकृति और नैतिकता नहीं बदली थी। ऐसा लगता है कि केसीआर की सोच थी कि वे एक राजकुमार की तरह व्यवहार करके लोगों से दूर रहकर राज्य पर प्रभावी ढंग से शासन कर सकते हैं लेकिन नए राज्य को संसाधनों की आवश्यकता थी। तेलंगाना को यह कैसे मिलेगा? उनके बेटे केटी रामाराव हैदराबाद के व्यावसायीकरण की योजना के साथ आए। उन्होंने यह बात तब कही थी जब 2014 में उनसे पूछा गया था कि नवगठित राज्य के लिए वे संसाधन कैसे जुटाएंगे। उन्होंने कहा था –श्हम हैदराबाद का इतना विस्तार करेंगे कि यह एक तरह से पूरे राज्य को कवर करेगा। इस विस्तार योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने की थी जिन्होंने हाईटेक सिटी और विश्वस्तरीय हवाई अड्डे का निर्माण तथा शिक्षा व आईटी क्षेत्र में नए निवेश की योजना बनाई। केसीआर शासन अचल संपत्ति, इमारतों और एक वित्तीय जिले की आकर्षक योजनाओं के साथ आगे बढ़ा। इस सब के कारण जमीनों की कीमतें बढ़ गईं और बैंगलुरू व मुंबई सहित अन्य स्थानों से नए निवेशकों को आमंत्रित किया गया। शहर के बड़े हिस्सों को कवर करने के लिए एल एंड टी द्वारा एक नई मेट्रो रेल भी शुरू की गई थी। अन्य मेट्रो शहरों से आने वाले नागरिक इस चमक–धमक से अत्यधिक प्रभावित हुए। इस सब ने सरकार के राजस्व में वृद्धि की और अधिक सड़कों, बांधों और सिंचाई कार्यों को बनाने में खर्च किया गया। फिर भी ठेकेदारों के कामों पर प्रभावी नियंत्रण रखने में सरकार विफल रही। नतीजतन, जर्जर सड़कों और सिंचाई व्यवस्था के कारण जनता में नाराजगी मालूम होती है जो चुनाव परिणामों में दिखाई दे सकती है। आंध्रप्रदेश शुरू से ही कांग्रेस का गढ़ रहा है। यहां तक कि आपातकाल के ठीक बाद उत्तर भारत से बेदखल होने के बावजूद पार्टी ने आंध्र प्रदेश में अपनी स्थिति बनाए रखी। विभाजन ने आंध्र में कांग्रेस को ध्वस्त कर दिया। पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली और तत्कालीन कई केंद्रीय मंत्री चुनाव हार गए। संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे टीडीपी के नेता चंद्रबाबू नायडू चुनाव जीत गए। नए आंध्रप्रदेश की कोई राजधानी नहीं थी और लोग हैदराबाद स्थानांतरित हो गए थे। अब नए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपनी राजधानी स्थापित करने के लिए एक ग्रीन फील्ड क्षेत्र अमरावती पर ध्यान केंद्रित किया। कृष्णा नदी के तट पर अमरावती में उपजाऊ भूमि है। नायडू तमाम विरोधों के बावजूद इसे ही राजधानी बनाने पर अड़े थे। यह क्षेत्र अमीर कम्मा (नायडू की जाति) के नियंत्रण में था जो अमेरिका स्थानांतरित हो गए थे। नई राजधानी स्थापित करने के पीछे नायडू का उद्देश्य सिंगापुर और जापान से निवेश आकर्षित करने का था। नायडू ने तर्क दिया कि अमरावती एक पारंपरिक बौद्ध केंद्र था इसलिए जापान, थाईलैंड जैसे देश आकर्षित होंगे। जगन रेड्डी ने हमेशा इसका विरोध किया है। उनका मानना था कि कम्मा व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए अमरावती को चुना गया था। कम्मा रेड्डी बंधुओं की प्रतिद्वंद्वी जाति है और दोनों समूह एक–दूसरे के घोर विरोधी हैं। उल्लेखनीय है कि आंध्रप्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के बेटे जगन रेड्डी अपने पिता के निधन के बाद कांग्रेस से अलग हो गए थे। 2019 के चुनावों में जगन रेड्डी ने जीत हासिल की। उनकी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने 175 सीटों में से 151 सीटों पर कब्जा कर लिया।

पंजाब में बदलाव का सीधा फायदा को

नीरज कुमार दुबे

पंजाब में लोकसभा की 13 सीटें हैं। जबसे पंजाब राज्य की स्थापना हुई है तबसे यह पहली बार है जब सभी प्रमुख दल अलग–अलग चुनाव लड़ रहे हैं और कोई भी गठबंधन इस बार के चुनाव मैदान में नहीं है। भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल, बसपा तो अकेले चुनाव लड़ ही रहे हैं साथ ही सिमरनजीत सिंह मान की पार्टी भी कुछ सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। इस तरह कई सीटों पर पांच कोणीय मुकाबला है तो कहीं छह कोणीय चुनावी मुकाबला हो रहा है। जाहिर है मतों के इस भारी विभाजन के चलते इस बार हार और जीत का अंतर बेहद मामूली रहने वाला है। पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी का प्रयास है कि सभी 13 सीटों पर जीत हासिल की जाये लेकिन कांग्रेस भी पूरा दमखम लगाये हुए है। कांग्रेस अब भी यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई है कि 11 साल पुरानी पार्टी ने उसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का वैसे तो दिल्ली, गुजरात, असम, हरियाणा और चंडीगढ़ में गठबंधन है लेकिन पंजाब में दोनों एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। इसके चलते मतदाता भी हैरान हैं। मतदाता आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं कि चंडीगढ़ में दोनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़ रही हैं और भाजपा को निशाने पर ले रही हैं लेकिन चंडीगढ़ से 15–20 मिनट की दूरी से शुरू होने वाले पंजाब राज्य में आते ही यह दोनों दल एक दूसरे के खिलाफ ही हमला बोल रहे हैं। ऐसे में सवाल राजनीतिक शुचिता का भी उठ रहा है और गठबंधन धर्म का मजाक बनने से राजनीतिक प्रेक्षक भी हैरान हैं। दूसरी ओर, कुछ समय पहले किसान आंदोलन के चलते भाजपा का ग्राफ यहां तेजी से गिरा था। आज भी गांवों में भाजपा के खिलाफ नाराजगी का माहौल देखा जा सकता है। हालांकि यह माहौल कुछ लोगों ने साजिशन बनाया है। खासतौर पर मतदान से ठीक पहले जिस तरह संयुक्त किसान मोर्चा ने भाजपा को हराने का आह्वान कर दिया है उससे भी गांवों में भाजपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा किसानों ने सभी 13 लोकसभा सीटों के भाजपा उम्मीदवारों के घर के बाहर धरना प्रदर्शन भी आयोजित कर रखा है जिससे भगवा दल की चुनावी संभावनाओं पर असर पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। लेकिन भाजपा इस सबसे बेपरवाह होकर अपना चुनावी अभियान आगे बढ़ा रही है और उसे खासतौर पर शहरी मतदाताओं का बड़ा समर्थन मिलता दिख रहा है। आम आदमी पार्टी ने बिजली बिल माफ करने के अलावा कोई वादा पूरा नहीं किया है। पंजाब को नशे से मुक्त कराने की बात कही गयी थी लेकिन नशाखोरी और बढ़ गयी है। महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह का वादा पूरा नहीं होने से स्त्री शक्ति नाराज है। व्यापारी और उद्योगपति इसलिए निराश हैं क्योंकि कानून व्यवस्था सही नहीं होने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। कई लोगों ने तो अपना व्यापार हरियाणा में शिफ्ट भी कर लिया है। आंदोलनों के चलते निवेशक सतर्क हैं जिससे पंजाब में निजी निवेश नहीं आ रहा है और इसका सीधा असर रोजगार पर पड़ रहा है। हमने जब लोगों के मन की बात जानने का प्रयास किया तो सबने एक ही बात कही कि प्रधानमंत्री मोदी जी से कहिये कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को छह महीने के लिए पंजाब का मुख्यमंत्री बना दें ताकि यहां भी सब ठीक हो सके। लोगों ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में गांवों में 18 घंटे तक की कटौती हो रही है और कहीं कोई सुनवाई नहीं है। लोगों ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार सिर्फ विज्ञापन पर पैसा खर्च करती है और सुरक्षा का बड़ा घेरा लेकर चलने में विश्वास रखती है। हमने पाया कि राज्य सरकार से जनता की नाराजगी, कांग्रेस पार्टी में चुनाव के समय हुए बिखराव और शिरोमणि अकाली दल की ओर से सारा ध्यान भठिंडा पर ही लगा दिये जाने के चलते जनता भाजपा के साथ जुड़ रही है। भाजपा ने कांग्रेस के बड़े नेताओं को पार्टी में लाकर चुनाव मैदान में उतार कर जो चाल चली है वह कामयाब होती दिख रही है। हमने पाया कि जालंधर में सुशील कुमार रिंकू, पटियाला में महारानी प्रणीत कौर और लुधियाना में रवनीत सिंह बिट्टू चुनाव जीत कर भाजपा की झोली में यह तीनों सीटें पहली बार डाल सकते हैं। इसके अलावा हमने गुरदासपुर और आनंदपुर साहिब में भी भाजपा को मजबूत पाया। भाजपा ने यहां अकेले चुनाव लड़ने का जो फैसला किया था उसके चलते पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश देखते ही बन रहा था। हमने जालंधर और लुधियाना में राम मंदिर मुद्दे का काफी प्रभाव भी देखा। इसके अलावा, कांग्रेस ने भले लोकसभा चुनाव में अपने दमदार नेताओं को उतारा है लेकिन उनकी सीटें बदल कर उसने बहुत बड़ी गलती कर दी है। कांग्रेस उम्मीदवार अपने पुराने क्षेत्र की टीमों को लेकर नये क्षेत्र में काम करते दिखे। वहां स्थानीय कार्यकर्ताओं का उन्हें पूरा समर्थन भी नहीं मिलता दिखा। इसके अलावा कांग्रेस की अंदरूनी उठापटक भी पार्टी का नुकसान करती दिखी। राहुल गांधी ने पिछली बार की तरह कांग्रेस के प्रचार में यहां ज्यादा समय नहीं दिया जिससे पार्टी के कार्यकर्ता निराश दिखे। कांग्रेस दफ्तर का सूनापन भी दर्शा रहा था कि पार्टी निरुत्साहित होकर चुनाव लड़ रही है। वहीं आम आदमी पार्टी का प्रचार करने का जिम्मा अरविंद केजरीवाल ने खुद संभाल रखा था। उनके रोड शो और रैलियों में जनता उमड़ी भी। भगवंत मान, राघव चड्ढा और संजय सिंह ने भी जमकर प्रचार किया।

संविधान की रक्षा लोकसभा चुनावों में एक प्रमुख मुद्दा बनकर उभरा

पी. सुधीर

> *मतदान के पहले चरण से पहले ही मोदी ने घोषणा कर दी थी कि पार्टी के लिए संविधान पवित्र पुस्तक है, सरकार के लिए संविधान गीता, रामायण, महाभारत, बाइबिल और कुरान है, और यहां तक कह दिया कि श्बाबासाहेब अंबेडकर भी इसे नहीं बदल सकते।*

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत का संविधान और इसकी सुरक्षा लोकसभा चुनाव में मुख्य मुद्दों में से एक रहा। शुरू से ही, इंडिया गठबंधन की घटक पार्टियों के नेताओं ने अपने चुनावी मंच पर संविधान की रक्षा को केंद्रीय विषय के रूप में पेश किया था। इसका लोगों की एक बड़ी संख्या पर बड़ा प्रभाव पड़ा, जिन्होंने पिछले एक दशक में देश में सत्तावादी शासन के विभिन्न पहलुओं का कटु अनुभव किया था। विपक्ष का संविधान खतरे में विषय मोदी के भाजपा के लिए 400 से अधिक सीटों के आह्वान के साथ मेल खाता था। संविधान बदलने की धमकी को भाजपा के विभिन्न नेताओं द्वारा यह तर्क दिये जाने से बल मिला कि संविधान बदलने के लिए 400 सीटें या बड़ा बहुमत चाहिए। 9 मार्च को ही भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कहा कि–भाजपा लोकसभा में 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य इसलिए रख रही है, क्योंकि संविधान बदलने के लिए संसद में उसे दो–तिहाई बहुमत की आवश्यकता है। फैजाबाद से भाजपा सांसद लल्लू सिंह, नागौर से भाजपा उम्मीदवार ज्योति मिर्धा और मेरठ से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किये। विपक्ष के इस अभियान को कि यह चुनाव संविधान की रक्षा के लिए है, भाजपा उम्मीदवारों के ऐसे बयानों से और मजबूती मिली। भाजपा नेताओं, खासकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह को जल्द ही इस बारे में रिपोर्ट मिल गई कि संविधान को खतरा का संदेश जनता तक पहुंचाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है, खासकर दलितों के बीच, जो संविधान के निर्माता डॉ. अंबेडकर का बहुत ही सम्मान करते हैं। यही कारण है कि मोदी ने विपक्ष के आरोपों का आक्रामक तरीके से जवाब देना शुरू कर दिया। मतदान के पहले चरण से पहले ही मोदी ने घोषणा कर दी थी कि पार्टी के लिए संविधान पवित्र पुस्तक है, सरकार के लिए संविधान गीता, रामायण, महाभारत, बाइबिल और कुरान है, और यहां तक कह दिया कि श्बाबासाहेब अंबेडकर भी इसे नहीं बदल सकते। यह तीखी आवाज और जवाबी हमला कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक ही संविधान को बदलेंगे, सरासर झूठा आरोप था। वास्तव में इंडिया ब्लॉक का आरोप भाजपा नेताओं को चुभ गया और इसलिए अपराधबोध वाली ऐसी तीखी प्रतिक्रिया हुई। संविधान खतरे में का दूसरा पहलू जिसने मोदी को परेशान किया, वह यह आरोप था कि संविधान में बदलाव से एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण खत्म हो जायेगा। मीडिया से बात करते हुए मतदाताओं के एक समूह ने इस डर को व्यक्त किया। मोदी ने संविधान बदलने के मुद्दे को सांप्रदायिक मोड़ देकर जवाबी हमला करने की कोशिश की। एक के बाद एक भाषणों में मोदी ने घोषणा की कि इंडिया ब्लॉक संविधान बदलना चाहता है, ताकि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण काटकर मुसलमानों को धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जा सके। मोदी और अमित शाह दोनों ने कर्नाटक और तेलंगाना में ओबीसी श्रेणी के तहत मुसलमानों को दिये गये 4 प्रतिशत आरक्षण का हवाला दिया। लगातार यह कहा जा रहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक न केवल आरक्षण छीन लेंगे, बल्कि हिंदुओं की संपत्ति भी मुसलमानों को सौंप देंगे। लेकिन पिछड़े घोषित किये गये और ओबीसी दर्जा दिये गये मुस्लिम समूहों को दिये गये आरक्षण को धर्म आधारित आरक्षण के रूप में चित्रित करने का प्रयास एक झूठा प्रयास था। ओबीसी के मामले में, संविधान के अनुच्छेद 15 (4) और 16 (4) ने धर्म के बावजूद पिछड़ेपन के मानदंड निर्धारित किये हैं। मुस्लिम समूह, जिन्हें वैज्ञानिक सर्वेक्षण के बाद राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े के रूप में पहचाना गया था, कई राज्यों में ओबीसी श्रेणी में शामिल किये गये थे। वास्तव में, मोदी ने खुद दो साल पहले एएनआई के एक साक्षात्कार में गुजरात में 70 मुस्लिम समूहों को ओबीसी दर्जा दिलाने का श्रेय लिया था। वास्तविकता यह है कि लोगों का एक बड़ा वर्ग भाजपा के खिलाफ मतदान करने के लिए उत्साहित रहा क्योंकि उनका मानना है कि मोदी सरकार लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है। इसीलिए इस चुनाव के परिणाम और उसके बाद क्या होगा, इस बारे में बेचैनी का माहौल है। मोदी शासन के दस वर्षों ने राज्य के सभी संवैधानिक निकायों और संस्थाओं को नष्ट कर दिया है। चुनाव के दौरान चुनाव आयोग ने जिस तरह से खुदको संचालित किया है, उससे यह आशंका पैदा हुई है कि क्या वह निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कर सकता है और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की निगरानी कर सकता है? प्रधानमंत्री की भड़काऊ सांप्रदायिक चुनाव प्रचार को रोकने में घोर विफलता व्यापक मतदान के आंकड़े उपलब्ध कराने में दिखाई गई अनिच्छा और मामला सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद ही ऐसा करना और आदर्श आचार संहिता को लागू करने में सामान्य विफलता, इन सभी ने इन आशंकाओं को आधार प्रदान किया है। मतदान के अंतिम चरण से कुछ ही दिन पहले सरकार ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को एक महीने का विस्तार दिया है, जो 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले थे। यह एक अभूतपूर्व कदम है। किसी भी सेना प्रमुख को (1975 में एक बार को छोड़कर) विस्तार नहीं दिया गया था। तब तक के लिए एक कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया जाता है। इस मामले में, नये चीफ ऑफ स्टाफ की नियुक्ति नयी सरकार द्वारा की जायेगी। ऐसा क्यों किया गया है, इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं है, न ही यह स्पष्ट है कि चुनाव आयोग ने इस विस्तार के लिए मंजूरी दी या नहीं। इसने चुनाव के बाद के परिदृश्य के बारे में सभी प्रकार की अटकलों को जन्म दिया है। अंत में, नरेंद्र मोदी ने खुद संविधान के प्रति अपनी निष्ठा को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में, मोदी ने यह अजीबोगरीब दावा किया है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह परमात्मा ही हैं जिन्होंने उन्हें देश और दूसरे लोगों की सेवा करने के लिए भेजा है।

एआर रहमान ने कहा, भारत में संगीतकारों को आगे बढ़ने का मिलता है

म्यूजिक डायरेक्टर ए.आर. रहमान ने कहा है कि भारत सांस्कृतिक रूप से इतना समृद्ध देश है कि यह ध्वनि, शब्द, विचार के माध्यम से सभी को एक साथ लाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। संगीत के जादूगर ए. आर. रहमान ने भारत में संगीतकारों को मिल रहे अवसरों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि भारत ने उन संगीतकारों को आगे लाने का एक शानदार अवसर प्रदान किया है, जिन्हें पहले कभी मौका नहीं मिला। ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीत निर्देशक ने मुंबई में नेक्सा म्यूजिक के तीसरे सीजन का शुभारंभ किया। इस मौके पर ए.आर. रहमान ने कहा कि मानव मस्तिष्क की शक्ति हमारी कल्पना से कहीं अधिक है और सशक्तीकरण के जरिए कुछ भी पाया जा सकता है। नेक्सा म्यूजिक के तीसरे सीजन के लॉन्च पर प्रसिद्ध गायक राजा कुमारी, किंग, अर्जुन कानूनगो और मामे खान भी शामिल हुए। देश में क्षेत्रीय संगीत को मिले प्रोत्साहन पर बात करते हुए भारत के म्यूजिक माएस्ट्रो ए.आर. रहमान ने कहा, इंसान का दिमाग सशक्तीकरण के साथ काम करता है और मुझे लगता है कि अगर मन सशक्त हो तो कुछ भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी गाना बनाते समय आपको यह अहसास होना चाहिए कि जिसे मैं बनाने जा रहा हूं यह सबसे अच्छा गाना है, और सभी लोग इसे पसंद करेंगे। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए संगीतकार ने कहा कि हर भाषा महत्वपूर्ण है। किसी की किस्मत कभी भी चमक सकती है। किसी भी कलाकार को कभी भी कम नहीं आंकना चाहिए। मीडिया द्वारा पूछे जाने पर कि सीजन 3 से क्या उम्मीद की जाए, इस पर रहमान ने कहा कि मैं माइकल जैक्सन के पसंदीदा शब्द वंडरमेंट का इस्तेमाल करना चाहूंगा। लोगों को सीजन 3 से वंडरमेंट की उम्मीद करनी चाहिए। सभी प्रतियोगी एक साथ कुछ नया लेकर आएंगे और चमकेंगे।

संगीतकार ने 1991 में अपना खुद का म्यूजिक रिकॉर्ड करना शुरु किया। उन्होंने 1992 में फिल्म रोजा में अपने संगीत का जादू दिखाया। इस फिल्म के संगीत ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इस म्यूजिकल हिट के लिए रहमान को फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। संगीतकार ने दिल से, रंगीला, ताल, पुकार, फिजा, लगान, मंगल पांडे, स्वदेश, रंग दे बसंती, जोधा–अकबर, जाने तू या जाने ना, तहजीब, बॉम्बे, युवराज, स्लम डॉग मिलेनियर और गजनी जैसी फिल्मों में अपना संगीत दिया है। ए.आर. रहमान ने देश की आजादी के 50 साल पूरे होने पर 1997 में वंदे मातरम एलबम बनाया। जिसे लोगों का भरपूर प्य्यार मिला।

पत्रलेखा ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 10 साल, हंसल मेहता का किया शुक्रिया

एक्टर राजकुमार राव की पत्नी एक्ट्रेस पत्रलेखा ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने इसके लिए फिल्म निर्माता हंसल मेहता का आभार व्यक्त किया है। अपनी पहली फिल्म सिटीलाइट्स के रिलीज होने के एक दशक पूरे होने पर फिल्म निर्माता हंसल मेहता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पत्रलेखा ने कहा कि उन्ह्होंने मेरी प्रतिभा को पहचाना और मुझे बड़ा ब्रेक दिया। फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया, यह सीखने, आगे बढ़ने और अविस्मरणीय क्षणों से भरी एक शानदार यात्रा रही है। मेरी प्रतिभा को पहचानने और मुझे राखी दीपक सिंह की खूबसूरत और जटिल भूमिका निभाने का अवसर देने के लिए मैं अपने निर्देशक हंसल मेहता का विशेष आभार व्यक्त करती हूं। अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अभी बहुत कुछ आना बाकी है। मैंने उन प्रोजेक्ट्स पर काम किया है, जिनके बारे में मैं बहुत भावुक हूं। एक्ट्रेस पत्रलेखा की 2014 में रिलीज हुई सिटीलाइट्स एक ड्रामा फिल्म है जो ब्रिटिश फिल्म मेट्रो मनीला (2013) की रीमेक थी। यह फिल्म राजस्थान के एक गरीब किसान की कहानी बताती है जो आजीविका की तलाश में मुंबई आता है। सीन एलिस द्वारा निर्देशित क्राइम ड्रामा मेट्रो मनीला फिलीपींस में सेट है। सिनेमा में पिछले दस सालों में पत्रलेखा ने लव गेम्स, नानू की जानू, बदनाम गली और तीरंदाज में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है। उन्होंने 2017 में बोस डेड अलाइव से वेब स्पेस में डेब्यू किया। पत्रलेखा अगली बार गुलकंदा टेल्स, वाइल्ड वाइल्ड पंजाब और फुले में नजर आएंगी। बॉलीवुड के लवेबल कपल कहे जाने वाले पत्रलेखा और राजकुमार राव ने 2021 में चंडीगढ़ में शादी की थी। दोनों एक–दूसरे को 2010 से डेट कर रहे थे।

सावी के निर्देशक अभिनय देव ने फिल्म की कास्टिंग को लेकर किया खुलासा

जेलब्रेक थ्रिलर सावी के निर्माता अभिनय देव ने फिल्म में अभिनेत्री दिव्या खोसला को क्यों चुना गया, इसके बारे में खुलकर बात की। फिल्म निर्माता अभिनय देव ने कहा कि वह फिल्ह्म के लिए एक ऐसी एक्ट्रेस चाहते थे, जो देखने में मासूम लगे। आईएएनएस से बात करते हुए अभिनय ने अपनी फिल्म के लिए दिव्या, हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर को कास्ट करने के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने पोस्टर में सावी के नाम पर लाल बिंदी क्यों लगी है, इसके बारे में भी बताया। अभिनय ने बताया, स्क्रिप्ट लिखने के साथ कास्टिंग भी शुरू हो जाती है। जैसे–जैसे कैरेक्टर लिखे जा रहे थे, वैसे–वैसे कास्टिंग साफ होती जा रही थी। मैं तीनों कैरेक्टर के बारे में बताऊं तो, कह सकता हूं कि सावी का किरदार निभाने वाली कलाकार को सिंपल और मासूम दिखना था। मैं नहीं चाहता था कि इस किरदार के लिए कोई बड़ा नाम आए, जो किसी भी तरह का बड़ा एक्शन और इमोशनल ड्रामा कर चुका हो। मैं ऐसा चेहरा चाहता था, जिसे सभी एक्सेप्ट कर सकें, सभी उसे कैरेक्टर को पसंद कर सकें। यही सावित्री यानी सावी है। डेल्ही बेली के निर्देशक ने आईएएनएस को आगे बताया, सत्यवान के किरदार के लिए मुझे किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जो मजबूत हो और जिसकी पृष्ठभूमि बहुत अच्छी हो, लेकिन साथ ही वह ईमानदार भी हो। अनिल कपूर के बारे में अभिनय ने कहा, फिल्म में उनका किरदार एक रहस्य है। अनिल को किसी भी फिल्म में कास्ट करने का सीधा कारण मुझे लगता है कि वह हमारे देश के कुछ ऐसे अभिनेताओं में से एक हैं जिनको आप किसी भी रोल में डाल दें, वह उसमें अपना बेहतर ही देंगे। सावी के नाम पर लाल बिंदी के बारे में बात करते हुए, ब्लैकमेल के निर्देशक ने कहा, लाल बिंदी उसके सुहाग को दिखाता है। इसलिए इसे सूक्ष्म रूप से रखा गया है। यह एक छोटे संदेश के रूप में सामने आता है। सावी एक जेलब्रेक थ्रिलर है जिसमें हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अभिनय देव द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने विशेष फिल्म्स और टी–सीरीज के बैनर तले किया है। फिल्म सावी 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

'रहना है तेरे दिल में' से लेकर 'शैतान' तक: आर. माधवन की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती 7 फ़िल्में

आर. माधवन, जिन्हें उनके प्रशंसकों के बीच प्यार से मैडी के नाम से जाना जाता है, आज एक साल बड़े हो गए हैं। आकर्षक अभिनेता उन कुछ अभिनेताओं में से एक हैं जिनकी अखिल भारतीय अपील है और अभिनय में उनकी बहुमुखी प्रतिभा कोई भाषाई सीमा नहीं जानती। चाहे वह हिंदी हो, मलयालम हो, तमिल हो या तेलुगु, मैडी अपने अभिनय से हमें मंत्रमुग्ध करते रहते हैं, यह साबित करते हुए कि सच्ची प्रतिभा हर भाषा में बोल सकती है। आइए उनकी कुछ फ़िल्मों पर एक नज़र डालते हैं।

1. रहना है तेरे दिल में

रहना है तेरे दिल में मैडी की कहानी है जो राजीव का रूप धारण करता है, जिससे उसकी प्रेमिका रीना शादी करने वाली है और उसे लुभाने की कोशिश करता है। हालाँकि, वह उस पल के लिए तैयार नहीं है जब सच्चाई सामने आएगी। हैरिस जयराज द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में दीया मिर्ज़ा, सैफ़ अली ख़ान, जैकी भगनानी, कबीर सदानंद और माया अलघ हैं।

2. रंग दे बसंती

रंग दे बसंती कुछ छात्रों की कहानी है जो अपनी फिल्म में विभिन्न भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों को चित्रित करते हैं, वह अनजाने में उनमें देशभक्ति की भावना जगाती है। भावनात्मक और मानसिक प्रक्रिया उन्हें एक उद्देश्य के लिए विद्रोही बना देती है। राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आमिर खान, सोहा अली खान, शरमन जोशी, सिद्धार्थ और कुणाल कपूर भी हैं।

3. तनु वेड्स मनु

तनु वेड्स मनु एक एनआरआई डॉक्टर मनु की कहानी है, जो दुल्हन की तलाश में भारत आता है और तनु से प्यार करने लगता है। अपने प्रेमी से अलग, तनु, एक मौज–मस्ती करने वाली लड़की है, बल्कि अपने प्रेमी के साथ भागने में उसकी मदद लेती है। आनंद एल. राय द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कंगना रनौत, जिमी शेरगिल, दीपक डोबरियाल, स्वरा भास्कर और एजाज खान हैं।

5. 3 इडियट्स

3 इडियट्स फरहान और राजू की कहानी है जो अपने ताज़ा दृष्टिकोण के कारण रैंचो के साथ एक बेहतरीन रिश्ता बनाते हैं। सालों बाद, एक शर्त उन्हें अपने लंबे समय से खोए दोस्त को खोजने का मौका देती है जिसका अस्तित्व काफी मायावी लगता है। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आमिर खान, शरमन जोशी, करीना कपूर, बोमन ईरानी और ओमी वैद्य हैं।

6. मिन्नाले

मिन्नाले एक ऐसे आदमी की कहानी है जो एक महिला से प्यार करता है और झूठ के ज़रिए उसके दिल में जगह बना लेता है। जब उसे पता चलता है और वह उससे भिड़ती है, तो उसे कोई पछतावा नहीं होता क्योंकि उसे लगता है कि प्यार और युद्ध में सब कुछ जायज़ है। रीमा सेन, अब्बास, विवेक, आर.डी राजशेखर और नागेश द्वारा निर्देशित।

7. शैतान

शैतान एक पारिवारिक सैर की कहानी है जो एक भयानक मोड़ लेती है जब एक घुसपैठिया किशोर बेटी के शरीर पर कब्ज़ा कर लेता है, और उसे लगातार बढ़ते भयावह आदेशों की दया पर छोड़ देता है।

विकास बहल द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन, जानकी बोदीवाला, ज्योतिका, पलक लालवानी और मनोज आनंद हैं।

सोशल मीडिया पर रील्स बनाने को लेकर विद्या बालन ने कहा, बस मजे कर रही हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन रील्स बनाने को लेकर सोशल मीडिया सनसनी बन गई हैं। लगभग दो साल पहले सोशल मीडिया पर कदम रखने वाली विद्या ने कहा कि उन्हें रील्स बनाने में मजा आता है। सोशल मीडिया पर रील बनाने और वायरल होने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए विद्या ने आईएएनएस को बताया, लगभग दो साल पहले मैं लंदन में नीयतश के लिए शूटिंग कर रही थी, इस दौरान मेरे पास बहुत समय था। मेरे मैनेजर ने मुझसे कहा कि हम रील क्यों नहीं बनाते। अपना पहला वीडियो वायरल होने के बाद विद्या को सोशल मीडिया से प्यार हो गया। उन्होंने वहां जुड़ाव महसूस किया। उसके बाद एक्ट्रेस ने रुकने का नाम नहीं लिया। वह आज तक अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए सोशल मीडिया पर रील्स बनाती हैं। इंस्टाग्राम पर 9.4 मिलियन फॉलोअर्स रखने वाली एक्ट्रेस ने कहा, मैं एक या दो महीने में एक रील बनाती थी। मेरे पास रील शूट करने का समय है और मैं बस मजे कर रही थी। जब यह वायरल हुआ, तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने वही किया जो मुझे पसंद है और लोग भी इसका आनंद ले रहे हैं। इसलिए मैंने इसे नियमित रूप से करना शुरू कर दिया। मैं ईमानदारी से कहूं तो बस मैं मजे कर रही हूं। विद्या को आखिरी बार शीर्षा गुहा द्वारा निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी दो और दो प्यार में स्क्रीन पर देखा गया था। इसमें प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और सेंधिल राममूर्ति भी हैं। विद्या कथित तौर पर जल्द ही अपकमिंग फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आएंगी। वह एक बार फिर दर्शकों का मंजुलिका बनकर मनोरंजन करेंगी। इस फिल्ह्म में विद्या के साथ कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी भी दिखाई देंगी। 2007 में आई भूल भुलैया पार्ट वन का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। इसमें अक्षय कुमार, शाइनी आहूजा, अमीषा पटेल, परेश रावल, राजपाल यादव, मनोज जोशी, असरानी और विक्रम गोखले भी थे। यह फिल्म कथित तौर पर 32 करोड़ रुपये के छोटे बजट में बनाई गई थी। मगर यह 2007 की आठवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनकर उभरी। इस फिल्म ने दुनिया भर में 82.837 करोड़ रुपये कमाए।

आंखों के लिए बेहद फायदेमंद है यह आयुर्वेदिक तकनीक, एक्सपर्ट से जानें इसके फायदे

शरीर की केयर करने के साथ ही आंखों की केयर करना भी जरूरी होता है। लेकिन कई बार लोग ऐसा करना भूल जाते हैं। लेकिन आंखों का स्वस्थ होना बेहद जरूरी होता है। यदि आंखों के प्रति थोड़ी भी लापरवाही बरती जाती है, तो इसका सीधा असर रोशनी पर पड़ता है। आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखने के लिए आप नेत्र शुद्ध आसन कर सकते हैं। यह आंखों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको नेत्र शुद्धि के प्रोसेस के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही यह भी जानेंगे कि यह आंखों के लिए कैसे फायदेमंद होती है।

क्या है नेत्र शुद्धि

दरअसल, यह एक तरह की आयुर्वेदिक तकनीक है। इस तकनीक के जरिए आंखों को रिलैक्श कर शांत किया जाता है। इस प्रोसेस में कप के माध्यम से मेडिटेशन किया जाता है। इस थेरेपी को करने से आंखों की थकान कम होती है। बता दें कि नेत्र शुद्धि का प्रोसेस पूरी तरह से केमिकल फ्री होता है और इसको कोई भी कर सकता है।

फायदे

नेत्र शुद्धि करना आंखों के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है।

इससे आंखों की थकान दूर होने के साथ आप फ्रेश फील करते हैं।

इस प्रोसेस से आई बॉल में होने वाली आई स्ट्रेन की समस्या कम होती है।

आंखों में होने वाले दर्द से राहत मिलने के साथ पिंक आई की दिक्कत से भी राहत मिलती है।

जिनकी आंखों की रोशनी कमजोर है, वह भी नेत्र शुद्धि कर सकते हैं। इससे आंखों की रोशनी तेज हो सकती है।

इस प्रोसेस का अभ्यास करने से आंखों की ऑप्टिक नर्व तक सुचारू रूप से नर्व का संचार होता है।

आंखों की खुजली और सूजन की समस्या कम होती है।

नेत्र शुद्धि का सही तरीका

इसके लिए सबसे पहले छोटे आकार के प्लास्टिक के दो कप ले लीजिए।

फिर इसमें नॉर्मल पानी भरें।

अब इसमें आंखें खोलकर डालें या फिर फिट करें।

इस प्रोसेस में आपकी आंखें पानी में होनी चाहिए।

अब अपनी पानी के अंदर आंखों में मौजूद बॉल को गोल–गोल घुमाएं।

दिन में इस प्रोसेस को दो से तीन बार किया जा सकता है।

पार्लर जैसे सॉफ्ट बाल मिलेंगे घर पर, बस लगा लें किचन में पड़ी ये एक चीज

बालों को खूबसूरत लुक देने के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करती हैं। इसके लिए वो महंगे ट्रिटमेंट लेती हैं, जिससे कोई फायदा तो नहीं होता लेकिन केमिकल के चलते बाल खराब जरूर हो जाते हैं। ऐसे में आप घर पर ही सस्ते में अच्छा सा ट्रिटमेंट क्यों नहीं ले लेते? जी हां, आप घर में भिंडी की मदद से भी सेफ और नेचुरल केराटिन ट्रीटमेंट ले सकते हैं। आइए जानते हैं भिंडी से बालों को केराटिन करने का तरीका...

बालों पर भिड़ी लगाने के फायदे

भिंडी में मौजूद फाइबर, आयरन, बीटा केराटीन, विटामिन सी, विटामिन ए, कैल्शियम, मैग्रीशियम, फास्फोरस और फोलेट एसिड जैसे गुण बालों में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं।

भिंडी से केराटिन ट्रीटमेंट कैसे करें

1 कप पानी में 15–20 भिंडी को छोटा– छोटा काटकर उबाल लें। इसे ठंडा करने के बाद पीस लें। इस मिक्स्चर को सूती कपड़े में डालकर छानें और 1 चम्मच मक्के का आटा और पानी मिलाकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को गाढ़ा करने के लिए थोड़ी देर के लिए गैस में पकाएं। इसके बाद इसमें 1 चम्मच नारियल का तेल और 1 चम्मच बादाम का तेल डालकर मिला लें। आपकी केराटिन क्रीम तैयार है।

ऐसे करें इस्तेमाल

बालों को छोटे–छोटे हिस्सों में लेकर क्रीम को लगाएं। क्रीम को अच्छी तरह से बालों में मिक्स करने के लिए कंघी कर लें। इसके बाद बालों को प्लास्टिक कैप या शावर कैप से ढक लें। इस क्रीम को 2 घंटे बाद साफ से बालों से हटा लें। इसे हफ्ते में 2 बार लगाने से आपको बेहतरीन नतीजे देखने को मिलेंगे।

डैमेज बाल होंगे रिपेयर

भिंडी केराटिन ट्रीटमेंट डैमेज बालों को रिपेयर करने का काम करता है। इससे बाल हेल्दी और स्ट्रेट बनने लगते हैं। बालों की शाइन भी बढ़ जाती है।

बालों की चमक बढ़ाए

भिंडी बालों के रूखापन को दूर करके उसे मुलायम और चमकदार बनाते हैं। इससे बालों की ग्रोथ पर भी असर पड़ता है।

तो देखा आपने पार्लर जैसे सॉफ्ट बालों के लिए आप भी भिंडी का केराटिन कर सकते हैं।

लू से बचने में किसी वरदान से कम नहीं है बेल का जूस, देता है ढेरों फायदे

नारी डेस्करू दिन पर दिन गर्मी बढ़ती जा रही है, हर रोज पड़ रही तेज लू सभी के लिए जान की दुश्मन बनी हुई है। लू जिसे हम हीट स्ट्रोक भी कहते हैं, उससे बचने के लिए लोग क्या कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसे में इन गर्मियों में सेहतमंद ड्रिंक के तौर पर कई पेय पदार्थों का सेवन किया जाता है, जिनमें से एक हैं बेल का जूस। आपको जानकारी के लिए बता दें कि बेल एक फ्रूट होता है जिसे बिल्व भी कहा जाता है। बेल एक ऐसा फल है जिसे खाने से कई प्रकार के ढेरों फायदे पहुंचाता है। इसमें बहुत से पौष्टिक तत्व होते हैं। गर्मियों में बेल का जूस पिने से कई तरह की परेशानियों से बचा जा सकता है। हम आपको आज इन्हीं के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लू से बचाव

छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक कोई भी गर्मियों के दिनों में लू की चपेट में आ सकता है।बेल का शरबत शरीर को ठंडक पहुंचाती है और शरीर को लू से बचाती है। इसके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। धूप में निकलने से पहले एक गिलास बेल का शरबत पीकर ही निकलें।

ब्रेस्ट कैंसर में फायदेमंद

कैंसर एक लाइलाज बीमारी है। इस बीमारी का अभी तक कोई सटीक और सही इलाज नहीं है। लेकिन ब्रेस्ट कैंसर में बेल का जूस बहुत ही ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। स्तन कैंसर को रोकने के लिए नियमित रूप से इस रस का सेवन करना बहुत उपयोगी है।

खुल जाएंगी आंतें

पाचन खराब होने पर आंतों का संकुचन कम हो जाता है, जो कि कब्ज बनाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन इस समस्या को गंभीर बना सकती है। मगर बिल्व रस पानी की पूर्ति करके आंतों को रिलैक्स करता है और संकुचन सामान्य करने में मदद करता है।

देता हैं ठंडक

बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर पीने से एसिडिटी में राहत मिलती है। अगर आपको मुंह के छाले हो गए हैं तो भी इसका सेवन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। गर्मी के लिहाज से ये एक बेहतरीन पेय है। एक ओर जहां ये लू से सुरक्षित रखने में मददगार होता है वहीं शरीर को अंदर से ठंडक देने का काम करता है।

हृदय रोग में लाभदायक

दिल की बीमारी में बेल बहुत उपयोगी है। पके हुए बेल के जूस में थोडाघ सा घी मिला लें। दिल से संबंधित बीमारियों जैसे हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक से बचने के लिए इस मिक्सचर को अपनी रोज की डाइट में शामिल कर लीजिये। इसके सेवन से आपका दिल, स्ट्रोक और अटैक से काफी हद तक बचा रहेगा। हार्ट के अलावा बेल ब्लड शुगर के लेवल को भी लगभग 50: से ज्यादा तक कम कर सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर में लाभदायक

जो लोग हाई बीपी यानी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान हैं वह भी हर रोज बेल के शरबत का सेवन कर सकते हैं। इसमें पोटाशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो हाई बीपी को कम करने का काम करती है। इसके अलावा ये नसों को सुकून देने का काम करती है।

खून साफ करने में सहायक

खून अगर साफ न हो, तो स्कीन संबंधी कई किस्म की बीमारियां सामने आती हैं। बाजार में खून साफ करने के लिए कई किस्म की दवाईयां भी मिलती हैं। लेकिन बेल का शरबत इसका एक नेचुरल विकल्प है। हालांकि, इसके लिए आपको बेल के शरबत में कुछ मात्रा में गर्म पानी मिलाना होता है।

डायबिटीज में फायदेमंद

गर्मियों में बेल का शरबत पीने से डायबिटीज रोगियों की सेहत को फायदा होता है। बेल में मौजूद लैक्सेटिव ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद कर सकता है। मधुमेह रोगी इस शरबत का पूरा फायदा उठाने के लिए, इसे बनाते समय इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें।

एसिडिटी दूर करे

बेल के रस में शहद मिलाकर पीने से एसिडिटी दूर होती है। मुंह के छालों को ठीक करने के लिए आप इसे अपनी जीभ और मुँह के अंदर भी लगा सकते हैं। बेल शरीर की गर्मी और प्यास को भी शांत करता है। लंच या डिनर से पहले बेल का जूस पीने से भूख बढ़ती है। चिलचिलाती गर्मी के दौरान एक शीतल और तरावट देने वाला ड्रिंक है।

पैरों की चमक पाने के लिए फलों के छिलके हैं बेहद कारगर, मिनटों में होगा स्किन में जादू

चेहरे की देखभाल और केयर को लगभग सभी लोग करते हैं। लेकिन जब बात पैरों की आती है, तो लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि पैर भी आपकी पर्सनालिटी का हिस्सा हैं। कई बार टैनिंग की समस्या से पैरों में हो जाती है। जिसके कारण पैरों की स्किन काली और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में आप पैरों की टैनिंग और डेड स्किन को हटाने के लिए कुछ फलों के छिलकों का इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि इन फलों में विटामिन–मिनरल्स जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो वहीं इन फलों के छिलकों में भी भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं।

हालांकि अधिकतर घरों में फलों के छिलकों को फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि इन फलों के छिलकों को आप स्किन केयर में इस्तेमाल कर सकती हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए फलों के छिलकों की कुछ रेमेडीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपके पैरों को खूबसूरत बनाने में मदद कर सकती हैं।

केले का छिलका

केले का छिलका अच्छे से एक्सफोलिएट करता है। यह पैरों की डार्क स्किन को हटाने का कारगर नुस्खा है। पके केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से पर बेकिंग सोड लगाएं। फिर इससे अपने पैरों को स्क्रब करें। इससे पैरों की डेड स्किन साफ हो जाएगी। यह प्रोसेस करने के बाद पैरों को थोड़ी देर के लिए गुनगुने पानी में डालकर साफ करें।

पपीते का छिलका

केले के छिलके की तरह ही पपीते का छिलका भी आपके पैरों की चमक लौटा सकता है। इसके लिए पपीते के छिलकों को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर इनमें शहद और एलोवेरा जेल डालकर पीस लें। जब इसका महीन पेस्ट बन जाए, तो इसको अपने पैरों पर अप्लाई करें। फिर 20 मिनट तक लगाए रहने के बाद पैर सादे पानी से धो लें। इस तरह से आपके पैरों की स्किन क्लीन हो जाएगी और त्वचा मुलायम बनेगी।

संतरे का छिलका

बता दें कि स्किन केयर रूटीन में आपको संतरे का छिलका शामिल करना चाहिए। इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पायी जाती है। यह स्किन को साफ करने के साथ

टैनिंग जैसी समस्याओं को दूर करता है। संतरे के छिलके को सुखाकर पीस लें। फिर इस पाउडर में कच्चा दूध मिलाकर पैरों पर लगाएं। 10–15 मिनट तक लगाए रहें और जब यह सूख जाए, तो मसाज करते हुए पैरों को साफ करें। सप्ताह में दो बार यह नुस्खा अपनाने से पैरों की डार्क स्किन साफ होने लगेगी।

चिरकुट इलाहाबादी की पुण्यतिथि पर कवियों ने दी काव्यात्मक श्रद्धांजलि

नैनी, प्रयागराज। सुप्रसिद्ध हास्यकवि कुटेश्वर नाथ त्रिपाठी चिरकुट इलाहाबादी की प्रथम पुण्यतिथि पर क्षेत्र के देवरी गांव में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने अपने

रचनाओं के माध्यम से दिवंगत कवि को श्रद्धांजलि अर्पित किया। शनिवार देर शाम तक चलने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल ने किया। पत्रकार गजेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि तथा रत्नेश द्विवेदी व बद्रीप्रसाद मिश्र मधुकर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जगदम्बा प्रसाद शुक्ल ने किया। सर्वप्रथम मां सरस्वती व चिरकुट जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कवि रामनाथ त्रिपाठी रसिकेश ने सरस्वती वंदना कर में वीणा लिए मातु आ जाइए, शंख पुस्तक व माला में छा जाइये प्रस्तुत किया। बद्रीप्रसाद मिश्र की रचना आप सबको हंसाते रहे उम्र भर, कविता सुनते सुनाते रहे उम्र भर तथा जगदम्बा शुक्ल की कविता सोने की चिड़िया के पंख न काटो तुम, देशद्रोहियों के तलवे मत चाटो तुम खूब सराही गई। अभिषेक केसरवानी की कविता तुम्हें उल्फत की दौलत से मैं मालामाल कर देता तथा अशर्फीलाल पटेल की कविता संसार छोड़ कर चले गए चिरकुट जी हमेशा अमर रहें पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाया। अंशुल जी की रचना तुम्हारी गोद में युग का नया इतिहास सोया है ने मंच को ऊंचाई प्रदान की। रत्नेश द्विवेदी और उत्कर्ष त्रिपाठी ने भी अपनी रचना प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गजेंद्र सिंह ने हास्य व्यंग्य के पुरोधा कवि चिरकुट इलाहाबादी साहित्य जगत की एक अमूल्य निधि थे। उनकी कमी हमेशा खलेगी। कार्यक्रम के अंत में चिरकुट जी के पुत्र व कवि सम्मेलन के आयोजक अनुराग त्रिपाठी की ओर से सभी कवियों को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। देर शाम तक चलने वाले कवि सम्मेलन में स्थानीय श्रोतागण मौजूद रहे।

लोक संस्कृति विकास संस्थान ने नामित किए अपने ब्रांड एंबेसडर

प्रयागराज। लोक संस्कृति विकास संस्थान द्वारा लोक कलाओं को विकसित एवं विस्तृत करने और लोकप्रिय बनाने के प्रयास अंतर्गत चार ष्ब्रांड एंबेसडरष् बनाए गए। लोक संस्कृति विकास संस्थान प्रयागराज के प्रथम ब्रांड एंबेसडर के रूप में अपनी सांस्कृतिक विरासत के बारे में लोगों की चेतना उन्नत और समृद्ध करने

के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कथक नृत्यांगना हिमानी रावत तो वहीं लोक एवं जनजातीय कलाओं को प्रोत्साहित करने, लोकगीतों व विभिन्न संस्कृतियों और कलाओं को विकसित एवं विस्तृत करने और लोकप्रिय बनाने के लिए रीवा मध्य प्रदेश की अजिता द्विवेदी और लोकगीतों, भजनों सहित विभिन्न कलाओं की समृद्धि विविधता और विशिष्टता को विकसित करने एवं बढ़ावा देने के लिए प्रयागराज की शुभा मालवीय और राज रसिया को संस्थान ने अपना ब्रांड एंबेसडर चुना है। शनिवार की शाम एक सादे समारोह में निदेशक लोक संस्कृति विकास संस्थान शरद कुमार मिश्र की उपस्थिति में माननीय न्यायमूर्ति इलाहाबाद हाईकोर्ट शेखर कुमार यादव एवं मानवाधिकार एसोसिएशन के चेयरमैन सुरेश तोमर के कर कमलों से सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक शरद कुमार मिश्र ने कहा कि सभी नवनियुक्त होनहार युवाओं के प्रासंगिक कौशल,अनुभवों और उपलब्धियों को मानक मानकर संस्थान का ष्ब्रांड एंबेसडरष् नामांकित किया गया है आशा है कि सभी लोग अपनी माटी, परिपाटी, सभ्यता, संस्कृति और संस्कार के लिए बेहतर कार्य करेंगे। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। मंच का संचालन इलाहाबाद पर्यटन समिति के अध्यक्ष हसन नकवी ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर एम.आई. खान, अमित श्रीवास्तव, एहतेशाम खान, मनीषा ठाकुर, चंद्र कांत मालवीय आदि उपस्थित रहे।

शब्द सामर्थ्

मौन के गर्भ में पलते है
अनगिन अबोध शब्द
अर्थ पाने को तड़पते
गुजरना होता है उन्हें
कठिन प्रसव वेदना से
तब जन्म लेती है
एक कविता।
ये शब्द बन जाते हैं
हथियार, और मशाल
बन राह दिखाते हैं।
शब्द जब बनकर
फूटते है कविता,
और गीत तो,
अणु, परमाणु सी
शक्ति बन जाते हैं ।

रेखा मगर

श्री नर्मदेश्वर धाम में मनाया गया स्थापना महोत्सव

प्रतापगढ़, लालगंज। सांगीपुर क्षेत्र के पूरे गुरू रामपुर कसिहा में रविवार को श्री नर्मदेश्वर धाम मंदिर का स्थापना उत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रीराम चरित्र मानस पाठ एवं श्रीराम नाम संकीर्तन के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शंकर को पुष्प अच्छत समर्पित किया। स्थापना उत्सव में हवन पूजन में भी श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं महिलाओं ने भगवान के भजन की प्रस्तुतियां दी। पं0 राजाराम शुक्ल ने कहा कि भगवान शंकर ने विश्व के कल्याण के लिए विषपान कर मानव जीवन को मंगल का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यक्रम के संयोजक संयुक्त अधिवक्ता संघ के पूर्व महामंत्री धीरेन्द्र शुक्ल ने आचार्य समूह का रोली अभिषेक से सम्मान किया। इस मौके पर पं0 छोटे लाल शुक्ल, रामयश शुक्ल, रामशिरोमणि शुक्ल, संत प्रसाद शुक्ल, बड़े लाल तिवारी, रामदेव तिवारी, शिवभूषण पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, संदीप सिंह, सूर्यकान्त शुक्ल, राजेश तिवारी आदि रहे।

सराहनीय कृतित्व ही लोकजीवन का सबसे बड़ा वैभव: डॉ पाण्डेय

श्रद्धांजलि सभा में भावुक हुए कवि,कलाकार

करछना। मनुष्य के लोकजीवन में सराहनीय कृतित्व और व्यक्तित्व ही उसका सबसे बड़ा वैभव है। महेश मिश्र ने अपने हुनर से जमुना पार के हजारों लोगों का दिल जीता।गृहस्थ संत के रूप में उनकी सादगी,सरल स्वभाव सोच,संकोच और बांसुरी की धुन का लोक रंग बहुत दिनों तक स्मृतियों में रचा बसा रहेगा। बीते दिनों मार्ग दुर्घटना में मृत क्षेत्र के भुण्डा निवासी बांसुरी वादक महेश मिश्र की स्मृति में लोकमंगल संस्थान रामपुर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा के दौरान यह बातें संस्थान के संरक्षक और मिशन के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने कही। इस दौरान वरिष्ठ लोक कलाकार श्याम लाल बेगाना, मोनू मस्ताना,शनी विश्वकर्मा,मोहिनी श्रीवास्तव और इन्द्रजीत ने भजन निर्गुण गीतों के माध्यम से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तो वहीं पांडेय सरस एवं शायर शबरेज अहमद ने अपनी काव्यमय श्रद्धांजलि में भावुक मन से बांसुरी वादक को याद किया।

वरिष्ठ कवि डॉ.वीरेंद्र कुसुमाकर,संतोष शुक्ला समर्थ,जितेंद्र मिश्र जलज,संजय समाजसेवी शोभनाथ शुक्ला एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सोमनाथ द्विवेदी ने उनके सादगीपूर्ण व्यक्तित्व की सराहना करते हुए याद किया। अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने महेश को जमुनापार के हरि प्रसाद चौरसिया की संज्ञा देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। संचालन कर रहे वरिष्ठ गीतकार डॉ. राजेंद्र शुक्ल ने –मन को कितनी घुटन दे गया, प्रिय महेश का जाना जैसे श्रद्धांजलि गीत प्रस्तुत कर सभी को भावुक कर दिया। आयोजक,संस्थान के प्राचार्य कवि रामलोचन सांवरिया और संयोजक अशोक बेशरम ने सभी के प्रति स्वागतम आभार प्रकट किया।अंत में दो मिनट का मन रख सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर क्षेत्र के कई कवि,कलाकार समाजसेवी,प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

आंधी,पानी में 33 हजार लाइन पर गिरे पेड़, 15 घंटे बिजली गुल

भुपियामऊ पावर हाउस से आपूर्ति ठप, बंद रहे तीन उपकेंद्र
अफसर मनाते रहे संडे, आमजन पानी के लिए तरसे

प्रतापगढ़। रविवार की रात आई तेज आंधी और बारिश के चलते कई पेड़ धराशाई हो गए। कुसमी फाटक के निकट प्रयागराज रेलवे लाइन के किनारे पेड़ और डाल टूटकर बगल से गुजरी 33 हजार की मेन लाइन पर गिरे। जिससे तार टूट गया। शहर और उससे सटे इलाकों में बिजली आपूर्ति करीब सोलह 16 घंटे ठप रही। इससे आमजीवन अस्त व्यस्त हो गया। शहरी बूंद बूंद पानी के लिए तरसे। हैंडपाइपों पर लंबी लाइन लगी रही। घरों के इनवर्टर बोल गए। उमस और गर्मी से लोग बेहाल रहे। एक जेई को छोड़कर बाकी अधिकारी संडे मनाते रहे। मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो अधिकारी भागते हुए मौके पर पहुंचे। चीफ ने एसडीओ टाउन को कैंप करने का निर्देश दिया है।

रात करीब पौने तीन बजे अचानक से तेज आंधी के साथ बारिश होने लगी। इसी बीच बिजली चली गई। पता चला कि कुसमी गांव के पास रेलवे लाइन के किनारे आम के पेड़, डालें टूटकर शहर और गांव को आपूर्ति देने वाली 33 हजार की लाइन पर गिरे है। इससे कई जगह तार टूट गया। ट्रांसफार्मर भी चपेट में आया है। आपूर्ति ठप होने से बाबागंज, कादीपुर और रूपापुर उपकेंद्र से जुड़े इलाकों में अंधेरा छा गया। ग्रामीणों की माने तो सुबह करीब पांच बजे रूपापुर के जेई दलबल के साथ पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से पेड़ और भारी भरकम डालो को काटकर तार से हटाया गया। उसके बाद मरम्मत का कार्य शुरू हुआ जो देर शाम तक जारी रहा। अगर यही काम टीम भावना से सभी की उपस्थिति में सहयोग से होता तो लाइट पहले मिल सकती थी।

डेढ़ किलोमीटर तक टूटे रहे तार–

पेड़ों की चपेट में आने से कुसमी रेलवे फाटक से लेकर भुपियामऊ तक करीब डेढ़ से दो किलोमीटर तक पोल के तार टूटकर जमीन पर बिखर गए थे। जिसको समय से ठीक करना बिजली विभाग के लिए चुनौती था।

मौके पर नही पहुंचे थे अधिकारी–

पौने तीन बजे से कादीपुर, रूपापुर और बाबागंज उपकेंद्र से जुड़े उपभोक्ता बिजली कटने से अंधेरे में थे। ग्रामीणों ने बताया कि रूपापुर के जेई कर्मचारियों के साथ सुबह पांच बजे ही आ गए थे। बाकी उपकेंद्रों के जेई यहां तक कि एसडीओ, एक्सईएन अपने कमरे से बाहर नहीं निकले।

खबर वायरल होने के बाद भागे जिम्मेदार–

अधिकारी मौके पर नहीं है। इसकी खबर सोशल मीडिया पर वायरल होते ही खलबली मच गई। जेई, एसडीओ एक्सईएन यहां तक कि चीफ भी भागते हुए मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि चीफ ने एसडीओ टाउन को बिजली दुरुस्त होने तक मौके पर रुके रहने का निर्देश दिया। इस बारे में एसडीओ का कहना है कि काफी दूर तक तार टूटा है। उनके जोड़ने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। शाम तक बिजली आपूर्ति होने की संभावना है।

आम और लकड़ी की मच गई लूट–

आंधी में आम के पेड़ और उसका फल टूटकर जमीन पर बिखरा हुआ था। लकड़ी काटने के बाद उसे और आम ले जाने के लिए गांव में लूट मच गई थी।

चिलचिलाती धूप में काम करते रहे कर्मचारी–

रात में बिजली गुल होने के बाद रूपापुर और बाबागंज के कर्मचारी चिलचिलाती धूप में पोल पर चढ़कर काम करते नजर आए। इसमें से कई खाना भी नहीं खाए थे। सुबह चाय भी नसीब नहीं हुई। इसके बाद भी स्टाफ बिजली दुरुस्त करने में लगा रहा। बीच बीच में ग्रामीण पानी पहुंचा देते थे।

ग्रामीण इलाकों में सोमवार शाम तक आपूर्ति की संभावना–

शहर में रविवार की शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गयी। लेकिन ग्रामीण इलाकों में तारों पर अधिक पेड़ गिरने से सोमवार शाम तक आपूर्ति बहाल होने की संभावना है। हालांकि बिजली कर्मी युद्ध स्तर पर बिजली आपूर्ति बहाली के लिए पूरे दिन डटे रहे।

आंधी,पानी में 33 हजार लाइन पर गिरे पेड़, 15 घंटे बिजली गुल

भुपियामऊ पावर हाउस से आपूर्ति ठप, बंद रहे तीन उपकेंद्र
अफसर मनाते रहे संडे, आमजन पानी के लिए तरसे

प्रतापगढ़। रविवार की रात आई तेज आंधी और बारिश के चलते कई पेड़ धराशाई हो गए। कुसमी फाटक के निकट प्रयागराज रेलवे लाइन के किनारे पेड़ और डाल टूटकर बगल से गुजरी 33 हजार की मेन लाइन पर गिरे। जिससे तार टूट गया। शहर और उससे सटे इलाकों में बिजली आपूर्ति करीब सोलह 16 घंटे ठप रही। इससे आमजीवन अस्त व्यस्त हो गया। शहरी बूंद बूंद पानी के लिए तरसे। हैंडपाइपों पर लंबी लाइन लगी रही। घरों के इनवर्टर बोल गए। उमस और गर्मी से लोग बेहाल रहे। एक जेई को छोड़कर बाकी अधिकारी संडे मनाते रहे। मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो अधिकारी भागते हुए मौके पर पहुंचे। चीफ ने एसडीओ टाउन को कैंप करने का निर्देश दिया है।

रात करीब पौने तीन बजे अचानक से तेज आंधी के साथ बारिश होने लगी। इसी बीच बिजली चली गई। पता चला कि कुसमी गांव के पास रेलवे लाइन के किनारे आम के पेड़, डालें टूटकर शहर और गांव को आपूर्ति देने वाली 33 हजार की लाइन पर गिरे है। इससे कई जगह तार टूट गया। ट्रांसफार्मर भी चपेट में आया है। आपूर्ति ठप होने से बाबागंज, कादीपुर और रूपापुर उपकेंद्र से जुड़े इलाकों में अंधेरा छा गया। ग्रामीणों की माने तो सुबह करीब पांच बजे रूपापुर के जेई दलबल के साथ पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से पेड़ और भारी भरकम डालो को काटकर तार से हटाया गया। उसके बाद मरम्मत का कार्य शुरू हुआ जो देर शाम तक जारी रहा। अगर यही काम टीम भावना से सभी की उपस्थिति में सहयोग से होता तो लाइट पहले मिल सकती थी।

डेढ़ किलोमीटर तक टूटे रहे तार–

पेड़ों की चपेट में आने से कुसमी रेलवे फाटक से लेकर भुपियामऊ तक करीब डेढ़ से दो किलोमीटर तक पोल के तार टूटकर जमीन पर बिखर गए थे। जिसको समय से ठीक करना बिजली विभाग के लिए चुनौती था।

मौके पर नही पहुंचे थे अधिकारी–

पौने तीन बजे से कादीपुर, रूपापुर और बाबागंज उपकेंद्र से जुड़े उपभोक्ता बिजली कटने से अंधेरे में थे। ग्रामीणों ने बताया कि रूपापुर के जेई कर्मचारियों के साथ सुबह पांच बजे ही आ गए थे। बाकी उपकेंद्रों के जेई यहां तक कि एसडीओ, एक्सईएन अपने कमरे से बाहर नहीं निकले।

खबर वायरल होने के बाद भागे जिम्मेदार–

अधिकारी मौके पर नहीं है। इसकी खबर सोशल मीडिया पर वायरल होते ही खलबली मच गई। जेई, एसडीओ एक्सईएन यहां तक कि चीफ भी भागते हुए मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि चीफ ने एसडीओ टाउन को बिजली दुरुस्त होने तक मौके पर रुके रहने का निर्देश दिया। इस बारे में एसडीओ का कहना है कि काफी दूर तक तार टूटा है। उनके जोड़ने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। शाम तक बिजली आपूर्ति होने की संभावना है।

आम और लकड़ी की मच गई लूट–

आंधी में आम के पेड़ और उसका फल टूटकर जमीन पर बिखरा हुआ था। लकड़ी काटने के बाद उसे और आम ले जाने के लिए गांव में लूट मच गई थी।

चिलचिलाती धूप में काम करते रहे कर्मचारी–

रात में बिजली गुल होने के बाद रूपापुर और बाबागंज के कर्मचारी चिलचिलाती धूप में पोल पर चढ़कर काम करते नजर आए। इसमें से कई खाना भी नहीं खाए थे। सुबह चाय भी नसीब नहीं हुई। इसके बाद भी स्टाफ बिजली दुरुस्त करने में लगा रहा। बीच बीच में ग्रामीण पानी पहुंचा देते थे।

ग्रामीण इलाकों में सोमवार शाम तक आपूर्ति की संभावना–

शहर में रविवार की शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गयी। लेकिन ग्रामीण इलाकों में तारों पर अधिक पेड़ गिरने से सोमवार शाम तक आपूर्ति बहाल होने की संभावना है। हालांकि बिजली कर्मी युद्ध स्तर पर बिजली आपूर्ति बहाली के लिए पूरे दिन डटे रहे।

तेज आंधी व वारिस से आम के फसलों को भारी नुकसान, पट गये बगीचे, धराशाई हुए पेड़ व डालियां

किसान व बाग खरीदने वालों के चेहरों पर छाई मायूसी

प्रतापगढ़ा। रविवार की रात आई चक्रवाती तूफान व वारिस से आग के बगीचों को भारी नुकसान हुआ है। बागों के पेड़ उगड गये व कई पेड़ों की डालियॉ टूटकर गिर गईं। बगीचों में चारों तरफ आम ही आम बिछ गये। सुबह किसानों ने जब आम के बगीचों के तबाही का नजारा देखा तो खून के आंसू गिरने लगे। जिन्होंने किसानों से आम के बगीचे पहले ही खरीद रखे थे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। सदर तहसील के सेतापुर गांव में अधिवक्ता प्रदीप सिंह के आम के बाग में पेड़ों की डालियां व पेड़ उखड़ गये। चारों तरफ बगीचे में आम ही आम दिखाई दे रहे थे। इसी तरह जिले का कुण्डा इलाका आम फल पट्टी घोषित है। कुण्डा इलाके में बड़ी संख्या में हर जगह दशहरी, चौसा समेत अन्य वेराइटी के आम के बगीचे हैं। जहॉ से बड़ी मात्रा में आम का उत्पादन होता है। यहॉ के आम मे मिठास में कुछ विशेष खासियत है। कुण्डा के आम देश के अन्य हिस्सों समेत विदेशों में भेजे जाते हैं। कुण्डा के मानिकपुर, नवाबगंज, करेंटी, गोतनी व ताजपुर सरियावां समेत कई जगहों पर रविवार की तड़के सुबह आई चक्रवाती तूफान वारिस से तबाही साफ–साफ देखी गई। कुण्डा के किसान लालचन्द्र सोनकर, दीपक सोनकर व रमेश सोनकर ने बताया कि तूफान से भारी नुकसान हुआ है। इस वर्ष आम की फसल अच्छी थी। ठीक ठाक मुनाफा होने का अंदेशा था। मगर आंधी तूफान ने भारी तबाही मचाई जिससे नुकसान की भरपाई नहीं हो पाएगी। तूफाान से हुए नुकसान से किसानों व किसानों के बगीचे खरीदने वालों के चहरों पर मायूसी छाई हुई है।

संक्षिप्त

पुण्यतिथि पर राहगीरों को पिलाया शरबत

प्रतापगढ़, लालगंज। स्थानीय रामअंजोर मिश्र इण्टर कालेज के सेवानिवृत्त कला अध्यापक एवं समाजसेवी द्वारिका प्रसाद तिवारी की पुण्यतिथि रविवार को मनाई गयी। आयोजकों ने स्व0 द्वारिका प्रसाद की स्मृति में राहगीरों को शरबत पिलाया। वक्ताओं ने स्व0 द्वारिका प्रसाद के शैक्षिक तथा कला जगत एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में दिए गए योगदान को अविस्मरणीय बताया। पूर्व प्राचार्य दयाशंकर पाण्डेय ने कहा कि उन्होंने एक आदर्श शिक्षक के रूप में मेधावियों के भविष्य निर्माण में अप्रतिम योगदान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेविका गोमती तिवारी व संचालन शिक्षक विकास पाण्डेय ने किया। संयोजक एवं स्व0 तिवारी के कनिष्ठ पुत्र व्यापार मण्डल के पूर्व उपाध्यक्ष राकेश तिवारी गुड्डू ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर अनिल त्रिपाठी महेश, पूर्व डिप्टी सीएमओ डॉ0 पुरूषोत्तम शुक्ल, अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश शुक्ल, दिनेश सिंह, राजकुमार मिश्र, विश्वनाथ मौर्य, विकास मिश्र, मोनू पाण्डेय, संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

तूफान में छप्पर गिरने से वृद्ध महिला की मौत

प्रतापगढ़, लालगंज। रविवार की रात आये तूफान तथा बारिश से गिरे छप्पर के नीचे महिला की दबकर मौत हो गयी। लीलापुर थाना क्षेत्र के पूरे नेवल निवासी धनपति देवी (70) शनिवार की रात घर के सामने छप्पर में सो रही थी। रात करीब साढ़े तीन बजे अचानक तूफान व बारिश के चलते छप्पर गिर गया। धनपति देवी छप्पर के नीचे दब गयी। धनपति की चीख पुकार सुन परिजनों ने उसे किसी तरह घायल अवस्था में बाहर निकला। परिजन इलाज के लिए लालगंज ट्रामा सेंटर ले आए। इलाज के दौरान धनपति की सांसे थम गयी। पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए रविवार को भिजवाया। वहीं वृद्धा की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

सीओ ने विवेचनाओं की समीक्षा कर निस्तारण के दिए निर्देश

प्रतापगढ़। सीओ रानीगंज ने रविवार को सर्किल के सभी विवेचकों को तलब किया। उन्होंने एसपी के निर्देश पर विवेचकों से मुकदमों के संबंध में प्रगति रिपोर्ट देखी। लापरवाही बरत रहे विवेचकों को हितायत दी। उन्होंने सभी विवेचकों से कहा कि लंबित मुकदमों को गुण दोष के आधार पर एक सप्ताह के भीतर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इसके लिए सीओ ने जरूरी सुझाव भी दिए।

लापरवाही जान लेवा हो सकती है, गर्मी से बचने के लिए अपनाएं खास सुझाव-डॉ0 रमेश पांडे

प्रतापगढ़। गर्मी का तापमान 40 डिग्री के ऊपर जाने से मेडिकल कॉलेज के राजा प्रताप बहादुर चिकित्सालय में चक्कर आने से बेहोश होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टर उन्हें समझा रहे हैं कि यह कोई बीमारी नहीं है। बल्कि दिमाग के संदेश (काम करने के आदेश) को अन्य अंगों तक पहुंचाने वाला नमक (सोडियम) पसीने के जरिए शरीर से बाहर निकल जाने से संदेश गड़बड़ा जा रहे हैं। इससे चक्कर व बेहोशी आदि स्थितियां बन रही हैं। राजा प्रताप बहादुर चिकित्सालय की ओपीडी में तैनात वरिष्ठ फिजीशिएन डॉ0 रमेश पांडेय के मुताबिक जब से तापमान तेजी से बढ़ा है तब से ऐसे मरीज आ रहे हैं जो बताते हैं कि कुछ देर भी धूप में काम करने पर उनका शरीर बेदम हो जाता है। चक्कर आने लगते हैं, बीपी भी कम हो जाती है। घंटे–दो घंटे बाद खुद ही ठीक हो जाते हैं। डॉक्टर पांडे ने बताया कि जिस तरह दो इलेक्ट्रानिक उपकरण बिना आपस में जुड़े ही वाईफाई के जरिए संदेशों का आदान प्रदान करते हैं वैसे ही शरीर में मौजूद तंत्रिका तंत्र की दो नसें आपस में जुड़ी नहीं होतीं बल्कि उनमें गैप होता है। दोनों गैप के बीच न्यूरो ट्रासंमीटर हार्मोन वाईफाई की तरह एक नस से संदेश रिसीव कर अगली नस को पहुंचा देता है। इन नसों में एक छोर से दूसरे छोर तक संदेश को पहुंचाने का काम सोडियम क्लोराइड (नमक) करता है। लेकिन पसीने के जरिए शरीर में मौजूद नमक बाहर निकल जाता है तो संदेश बीच में ही रुक जाता है। ऐसे में जब दिमाग किडनी को संदेश भेजता है कि नमक को शरीर से बाहर निकालने की बजाय भीतर सप्लाई बढ़ाई जाए तो यह संदेश किडनी तक नहीं पहुंच पाता। इससे ब्लड प्रेशर भी कम हो जाता है। यदि समय रहते शरीर में नमक की आपूर्ति न की जाए तो बेहोशी ही नहीं बल्कि कोमा में जाकर मौत तक हो सकती है। वह मरीजों को समझा रहे हैं कि यदि धूप में निकलना बहुत ही जरूरी हो तो नमक पानी व चीनी का घोल साथ रखें और जब भी पसीना अधिक निकले उसका सेवन कर लें।

क्या कहते हैं फिजीशिएन–

मेडिकल कालेज के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ0 रमेश पांडे ने बताया कि ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है जो पसीने के जरिए शरीर से नमक निकल जाने से चक्कर व कमजोरी के शिकार हो रहे हैं। दवाओं के साथ लोगों को शरीर में पानी व नमक की आपूर्ति बनाए रखने के तरीके समझाए जा रहे हैं।

ऐसे करें बचाव–

1–धूप में हल्के रंग के कपड़े पहनकर निकलें।
2–धूप से सिर को बचाने के लिए गमछा या टोपी लगाएं।
3–चीनी, नमक व पानी का घोल साथ रखें।
4–अधिक पसीना निकलने पर ठंडे स्थान पर जाकर उक्त घोल पिएं।
5–मसालेदार वस्तुओं की बजाय अधिक पानी वाले फलों का सेवन बढ़ाएं।

आर्ट प्रतियोगिता में सिमरन प्रजापति ने सबको पछाड़ा

प्रतापगढ़। बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा भंगवा में चल रहे फन समर कैंप में रविवार को आर्ट प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें काफी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में क्लास दस की सिमरन प्रजापति ने सबको पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीचर दामिनी और सीनियर छात्र हिमांशु निर्णायक भूमिका में रहे। गरीबों के बच्चों में हुनर विकसित करने के लिए बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप की सराहना हो रही है।

डी–कोडिंग कराने के बाद ही मतगणना कार्मिकों को मिलेगी ड्यूटी स्लिप

प्रतापगढ़। लोकसभा चुनाव के मतों की गणना करने वाले कार्मिकों को चार जून की सुबह छह बजे से पूर्व मतणना स्थल पर पहुंचना होगा। डीकोडिंग कराने के बाद यह जानकारी हो सकेगी कि उनकी ड्यूटी किस विधानसभा के किस काउंटर पर लगाई गई है। डीकोडिंग कराने के बाद कार्मिकों को ड्यूटी स्लिप मुहैया कराई जाएगी। लोकसभा चुनाव के वोटों की गणना पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए प्रशासन अपनी तैयारियां कर रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना की प्रत्येक तैयारी निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक कराई जा रही है। वोटों की गिनती करने के लिए चिन्हित किए गए मतगणना कार्मिकों को चार जून की सुबह छह बजे महुली मंडी में डीकोडिंग कराने का निर्देश दिया गया है। डी–काडिंग कराने के बाद सम्बंधित कार्मिक को एक स्लिप दी जाएगी, जिसमें उसकी ड्यूटी का विवरण विधानसभा का नाम और काउंटर संख्या के साथ–साथ कार्मिकों का ब्यौरा भी अंकित रहेगा। डी कोडिंग काउंटर पर मतगणना कार्मिक को आईकार्ड भी उपलब्ध कराया जाएगा। जिस पर कार्मिक की फोटो के साथ अन्य विवरण अंकित रहेगा।

सिंगापुर में जेलेंस्की बोले : चीन के समर्थन से रूस लंबा खीचेंगा संघर्ष, कहा- चीनी हथियारों पर निर्भर रूसी

सिंगापुर। एशिया का प्रमुख सुरक्षा शिखर सम्मेलन शांगरी ला डायलॉग सिंगापुर में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम को यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भी संबोधित किया। इस दौरान, उन्होंने कहा कि रूस को चीन का समर्थन यूक्रेन में युद्ध को लंबा खींच सकता है। उन्होंने एशिया–प्रशांत क्षेत्र के देशों से शांति सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि रूस सम्मेलन में बाधा डालने का प्रयास कर रहा है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान जेलेंस्की ने कहा कि चीन के समर्थन के कारण रूस लंबे समय तक संघर्ष को खींचेगा। चीन घोषणा करता है कि वह क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का समर्थन करता है। वह आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा करता है। ऐसे में चीन की यह नीतियां उनके और पूरी दुनिया के लिए खतरनाक होंगी। जेलेंस्की ने संकेत दिया कि रूस के हथियार ज्यादातर चीन से आते हैं।

देशों को धमका रहा है रूस

शांति शिखर सम्मेलन के बारे में जेलेंस्की ने कहा कि रूस शांति शिखर सम्मेलन को बाधित करने की कोशिश कर रहा है। रूस दुनिया के कई देशों में घूम रहा है। वह देशों को कृषि वस्तुओं, खाद्य उत्पादों, रासायनिक उत्पादों की नाकाबंदी के लिए धमका रहा है। रूस चाह रहा है कि देश शांति शिखर सम्मेलन में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीन जैसे बड़ा और स्वतंत्र शक्तिशाली देश पुतिन के हाथों में है। हालांकि, चीनी रक्षा मंत्री ने हाल ही में कहा था कि वे जिम्मेदारी के साथ शांति वार्ता को बढ़ावा दे रहे हैं।

पहले भी कर चुके हैं अपील

इससे पहले भी जेलेंस्की ने वैश्विक नेताओं से आग्रह किया था कि 15 जून से शुरू होने वाले वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन में आप सभी भाग लें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी देश अकेले और बिना सहायता के ऐसे युद्धों को नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा था कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शांति कों बढ़ाने के लिए नेतृत्व करें। वैश्विक बहुमत के प्रयासों से शांति स्थापित हो सकती है। रूस की आक्रमकता के खिलाफ एकजुट होना आवश्यक है।

संक्षिप्त

अंतरिक्ष यात्री को लेकर जाने वाली पहली बोइंग उड़ान अंतिम क्षण में स्थगित

अंतरिक्ष यात्री को लेकर जा रही बोइंग की पहली उड़ान का प्रक्षेपण कम्प्यूटर प्रणाली की खामी के कारण आखिरी क्षण में शनिवार को एक बार फिर स्थगित कर दिया गया। कंपनी के स्टारलाइनर कैप्सूल में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के दो अंतरिक्ष यात्री सवार थे तभी उड़ान से पहले अंतिम मिनटों को नियंत्रित करने वाली कम्प्यूटर प्रणाली ने तीन मिनट 50 सेकंड पर उल्टी गिनती खुद रोक दी। उड़ान भरने में कुछ ही समय शेष रहने के कारण समस्या को ठीक करने का समय नहीं था

और अंततरू प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया गया। प्रक्षेपण विफल होते ही 'केप केनवरल स्पेस फोर्स स्टेशन' में 'एटलस वी रॉकेट' पर कैप्सूल में सवार अंतरिक्ष यात्रियों बुच विलमोर और सुनी विलियम्स को बाहर निकालने के लिए तकनीशियन दौड़ पड़े। रॉकेट निर्माता 'यूनाइटेड लॉन्स एलायंस' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टोरी ब्रुनो ने बताया कि जब तक रॉकेट का सारा ईंधन नहीं निकाला गया जब तक टीम समस्या को ठीक करने के लिए कम्प्यूटर प्रणाली तक नहीं पहुंच पायी। समस्या को ठीक कर बुधवार सुबह तक प्रक्षेपण का अगला प्रयास किया जा सकता है। अगर यह रॉकेट आगामी सप्ताह में उड़ान नहीं भर सका तो रॉकेट को पैड से हटाने और बैटरियों को बदलने के लिए जून मध्य तक का समय लगेगा। यह प्रक्षेपण का दूसरा प्रयास था। पहला प्रयास छह मई को किया गया था लेकिन वह भी वॉल्व संबंधी समस्या के कारण स्थगित हो गया था। कैप्सूल में दिक्कतों के कारण कई साल से लंबित बोइंग की पहली उड़ान में एक बार फिर देरी हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज सेवानिवृत्त हुई

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने शनिवार को बताया कि 35 वर्ष से अधिक के शानदार करियर के बाद वह सेवानिवृत्त हो गई हैं। वैश्विक संस्था में भारत की राजदूत के रूप में इस प्रतिष्ठित पद पर आसीन होने वाली पहली महिला राजनयिक कंबोज 1987 में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल हुई थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। वरिष्ठ राजनयिक कंबोज (60) ने

अपने 'एक्स' हैंडल पर कहा, ''इन बेहतरीन वर्षों और अविस्मरणीय अनुभवों के लिए धन्यवाद भारत।'' कंबोज सिविल सेवा के 1987 बैच की अखिल भारतीय महिला टॉपर और विदेश सेवा के 1987 की बैच की टॉपर थीं। उन्होंने दो अगस्त, 2022 को औपचारिक रूप से न्यूयॉर्क में भारत की स्थायी प्रतिनिधि/राजदूत का पदभार संभाला था। कंबोज की सेवानिवृत्ति की घोषणा पर पूर्व राजदूतों से लेकर आम लोगों तक ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हिंदी, अंग्रेजी और फ्रेंच तीन भाषाएं बोलने वाली कंबोज ने 1989 से 1991 तक पेरिस स्थित भारतीय दूतावास में तृतीय सचिव के रूप में अपनी राजनयिक यात्रा शुरू की थी।

जिन्नाह के मुल्क में वीआईपी भी सुरक्षित नहीं, इस्लामाबाद से वियतनामी राजदूत की पत्नी लापता

पाकिस्तान में वियतनामी राजदूत गुयेन टीएन फोंग की पत्नी कथित तौर पर इस्लामाबाद में लापता हो गई हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राजदूत ने बताया कि उनकी पत्नी सुबह 11 बजे उनके आवास से निकलीं और वापस नहीं लौटीं। वहीं, उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है, लिहाजा उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि क्या गुमशुदगी का घटना से

कोई संबंध है। इस्लामाबाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और लापता महिला की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए शहर के कैमरों से सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों ने उल्लेख किया कि जांच और परिचालन प्रभागों के लिए अलग–अलग टीमें स्थापित की गई हैं, जिनमें डीआइजी और एसएसपी ऑपरेशंस प्रयासों की निगरानी कर रहे हैं। पिछले हफ्ते, इस्लामाबाद के राजनयिक एन्क्लेव में एक दुखद घटना घटी जब एफ–6 सुपरमार्केट में पुलिस अधिकारियों के भेष में कपड़े पहने धोखेबाजों ने एक विदेशी नागरिक महिला को लूट लिया। सूत्रों की रिपोर्ट है कि दो लोगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर महिला को चेक के लिए रोका और अन्य कीमती सामान के साथ £500 जब्त कर लिया। सूत्रों ने संकेत दिया कि जब नकली पुलिस अधिकारियों ने विदेशी नागरिक महिला को रोका तो वे वर्दी में नहीं थे। एक अलग घटना में इस्लामाबाद के जी–6/4 इलाके में एक विदेशी महिला की सुरक्षा के लिए नियुक्त सुरक्षा गार्ड द्वारा कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया गया।

इस्राइल के साथ गोलीबारी में फलस्तीन के दो युवाओं की मौत, इस्राइली सेना ने नहीं की मौत की पुष्टि

इस्राइल के साथ गोलीबारी में फलस्तीन के दो युवकों की मौत हो गई। इस घटना को लेकर इस्राइली सेना ने फिलहाल मौत की पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा कि दो संदिग्धों ने एक स्थानीय समुदाय की तरफ विस्फोटक फेंका, जिससे नागरिक खतरे में पड़ गए थे। इस्राइली जवानों ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अकाबत जाबेर शरणार्थी शिविर के पास 16 और 17 वर्षीय लड़कों की मौत हो गई। फलस्तीनी मीडिया ने बताया कि मेडिकल टीम को घायलों में से एक तक पहुंचने के लिए रोका गया। वहीं, दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एक युवक को सिर पर और दूसरे को सीने में गोली मारी गई थी। बता दें कि पिछले साल सात अक्तूबर को हमास ने इस्राइल में घुसकर हमले किए, जिसमें लगभग 1,160 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में ज्यादातर इस्राइली नागरिक ही शामिल थे। हमले के बाद हमास के आतंकी 250 से ज्यादा इस्राइली और विदेशियों को बंधक बनाकर गाजा ले गए। हालांकि, इस संघर्ष के बीच हमास ने कुछ बंधकों को रिहा भी कर दिया था, लेकिन इस्राइल का मानना है कि अभी भी 99 बंधक हमास के कब्जे में हैं।

चीनी अंतरिक्ष यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से में उतरा, मिट्टी–चट्टान के नमूने लेगा

बीजिंग। चीन का एक अंतरिक्ष यान मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्रित करने के लिए रविवार को चंद्रमा के एक सुदूर हिस्से में उतरा। ये नमूने चंद्रमा के कम खोजे गए क्षेत्र और अच्छी तरह ज्ञात इसके निकटतम भाग के बीच अंतर के बारे में जानकारियां उपलब्ध करा सकते हैं। चंद्रमा का निकटतम भाग चंद्र गोलार्ध है जो हमेशा सुदूर भाग के विपरीत यानी पृथ्वी की ओर होता है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, लैंडिंग मॉड्यूल दक्षिणी ध्रुव–एटकेन बेसिन नामक एक विशाल गड्ढे में बीजिंग के स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 23 मिनट पर उतरा। यह चांग'ए चंद्रमा अन्वेषण कार्यक्रम के तहत छठा मिशन है, जिसका नाम चीनी चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है। इसे चांद पर एकत्र किये गये नमूनों को पृथ्वी पर लाने के लिए बनाया गया है। इससे पहले 2020 में चांग'ए 5 ने भी चंद्रमा के निकटतम भाग से नमूने एकत्रित किए थे। यह कार्यक्रम अमेरिका और जापान तथा भारत समेत अन्य देशों के साथ बढ़ती प्रतिद्वंद्विता के बीच शुरू किया गया है। चीन ने अंतरिक्ष में अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया है और वह वहां नियमित रूप से चालक दल के सदस्यों को भेजता रहता है। चीन का उद्देश्य 2030 से पहले चंद्रमा पर एक मनुष्य को भेजना है जिससे वह अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला दूसरा देश बन जाएगा। अमेरिका 50 साल से अधिक समय बाद पहली बार चंद्रमा पर फिर से अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना बना रहा है। चीन के मौजूदा मिशन में लैंडर को करीब दो दिन तक दो किलोग्राम सतह और भूमिगत सामग्री एकत्र करने के लिए एक मशीन और एक ड्रिल का इस्तेमाल करना है। इसके बाद लैंडर के ऊपर लगा एक आरोहक इन नमूनों को एक धातु वैक्यूम कंटेनर में दूसरे मॉड्यूल तक ले जाएगा जो चंद्रमा की परिक्रमा कर रहा है। इस कंटेनर को फिर एक कैप्सूल में स्थानांतरित किया जाएगा जिसे करीब 25 जून को चीन के मंगोलिया क्षेत्र के मरुस्थल में पृथ्वी पर वापस आना है। चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र तक मिशन भेजना ज्यादा मुश्किल है क्योंकि यह पृथ्वी के सामने नहीं होता जिसके कारण संचार बनाए रखने के लिए रिले उपग्रह की आवश्यकता होती है। साथ ही यह हिस्सा अधिक उबड़–खाबड़ है जहां लैंडर के उतरने के लिए बहुत ही कम समतल भूमि है।

शांगरी ला डायलॉग में जेलेंस्की ने की अमेरिकी रक्षा मंत्री से मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

सिंगापुर। सिंगापुर के शांगरी ला में एशियाई सुरक्षा सम्मेलन में दुनिया के नेता उपस्थित हो रहे हैं। शांगरी ला डायलॉग में रविवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इसकी जानकारी साझी की। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ष्मैंने अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से आईआईएसएस शांगरी ला डायलॉग में मुलाकात की। उन्होंने आगे कहा, हमने अहम मुद्दों पर बातचीत की। इन

मुद्दों में यूक्रेन की वायु प्रणाली को मजबूत करना, एफ–16 गठबंधन, द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते का मसौदा तैयार करना शामिल हैं। रूस के साथ जारी युद्ध के दौरान अमेरिका का यूक्रेन को समर्थन देने के लिए जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, ष्क्षा और राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अमेरिका का धन्यवाद।ष बता दें कि शांगरी ला डायलॉग 31 मई से दो जून तक आयोजित किया गया है। राष्ट्रपति बाइडन ने हाल ही में रूस के क्षेत्रों में हमला करने के लिए यूक्रेन को अमेरिकी युद्ध सामग्री सौंपी थीं। उन्होंने यह निर्णय यूक्रेन के खार्गिव में रूसी बलों के हमले के बाद लिया। एक निर्देश के अनुसार, यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों का उपयोग करके रूसी क्षेत्रों में हमले करने की अनुमति दी गई है।

चीन के साथ युद्ध न तो आसन्न है और न ही अपरिहार्य : यूएस रक्षा मंत्री ऑस्टिन

सिंगापुर। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शनिवार को शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के एक समूह से कहा कि एशिया–प्रशांत में तेजी से बढ़ते तनाव के बावजूद चीन के साथ युद्ध न तो आसन्न है और न ही अपरिहार्य है। साथ ही उन्होंने ''गलत अनुमान और गलतफहमियों'' से बचने के लिए उनके तथा चीनी समकक्ष के बीच नए सिरे से संवाद की महत्ता पर जोर दिया। ऑस्टिन ने सिंगापुर में शंगरी–ला रक्षा मंच पर ये टिप्पणियां चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन के साथ एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के बाद कीं। वर्ष 2022 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी की

ताइवान यात्रा के बाद अमेरिका और चीनी सेनाओं के बीच संपर्क समाप्त हो गया था। इसके बाद से दोनों शीर्ष रक्षा अधिकारियों के बीच यह आमने–सामने की पहली बैठक है। बैठक के बारे में विस्तार से बताने से इनकार करते हुए ऑस्टिन ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों नेता फिर से बातचीत कर रहे हैं। ऑस्टिन ने कहा, ''चीन के साथ युद्ध या लड़ाई न तो आसन्न है और न ही अपरिहार्य है।'' उन्होंने कहा, ''बड़े देशों के नेताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है कि हम गलत अनुमानों और गलतफहमियों के लिए अवसर कम करने वाली चीजें करें।'' उन्होंने कहा, ''हर बातचीत सुखद बातचीत नहीं होती लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम एक–दूसरे से बातचीत करते रहें और यह भी आवश्यक है कि हम अपने सहयोगियों एवं साझेदारों का सहयोग करते रहें।'' फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनैंड मार्कोस जूनियर ने शुक्रवार रात को इसी मंच को संबोधित करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि अगर चीन के उनके देश के तटरक्षक बल से टकराव के दौरान एक भी फिलीपीनी नागरिक मारा जाता है तो ''यह युद्ध के कृत्य के समान होगा और हम उसी अनुसार जवाबी कार्रवाई करेंगे।

कट्टरपंथी नेता अहमदीनेजाद फिर राष्ट्रपति बनने की रेस में शामिल, अयातुल्लाह खुमैनी की बढ़ सकती है परेशानी

तेहरान। ईरान के कट्टरपंथी पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद एक बार फिर राष्ट्रपति पद की रेस में शामिल हो गए हैं। दरअसल अहमदीनेजाद ने 28 जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रविवार को नामांकन किया। इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत के बाद ईरान में राष्ट्रपति चुनाव हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान में राष्ट्रपति पद की रेस में करीब 20 नाम हैं और अहमदीनेजाद सबसे चर्चित नाम हैं। अहमदीनेजाद साल 2005 में ईरान के राष्ट्रपति चुने गए थे और लगातार दो कार्यकाल तक यानी साल 2013 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे।

सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खुमैनी पर बढ़ा दबाव

महमूद अहमदीनेजाद के नामांकन के बाद ईरान के राष्ट्रपति का चुनाव रोचक हो गया है। अहमदीनेजाद ईरान के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। खास बात ये है कि अहमदीनेजाद के नामांकन से ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अल खुमैनी पर दबाव बढ़ गया है। ईरान का राष्ट्रपति रहने के दौरान अहमदिनेजाद ने अयातुल्लाह अल खुमैनी को चुनौती दी थी, जिसके चलते साल 2021 में अहमदीनेजाद को राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। ईरान संवैधानिक निगरानी संस्था, गार्जियन काउंसिल ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। अहमदीनेजाद को अमेरिका का कट्टर विरोधी माना जाता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।